बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान

शिक्षक संदर्शिका

भाषा – हिंदी

2024-25

कक्षा 2

समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग

इस संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेत (Icon) का विवरण

	पृष्ठ संख्या
	दिवस/पाठ/गतिविधि का उद्देश्य
	शिक्षण योजना
	गतिविधि के चरण
	साप्ताहिक आकलन (मैंने सीख लिया)
	पुनरावृत्ति
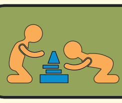	गतिविधि
	मौखिक भाषा विकास और लेखन
	डिकोडिंग
	पठन
	निर्धारित समय
	शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा
	तैयारी और सामग्री
	ध्यान देने योग्य बातें
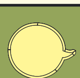	शिक्षक या बच्चे का कथन
	कैलेंडर (सप्ताह/दिवस)

आभार:
लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) छत्तीसगढ़

संदेश

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' भी बुनियादी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करती है। बुनियादी शिक्षा और कौशलों के महत्व को दृष्टि में रखते हुए भारत सरकार द्वारा देशव्यापी 'निपुण भारत मिशन' की शुरुआत की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में इस परिपेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 'बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान' के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से राज्य में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षण को एक नई दिशा मिल पा रही है। इसी क्रम में वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना द्वारा आगामी वर्षों में प्रयास होगा कि बच्चे अपनी आयु और कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताएँ प्राप्त कर पाएँ। इस कड़ी में कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के लिए 'अभ्यास पुस्तिकाएँ' और शिक्षकों के लिए 'शिक्षक संदर्शिकाएँ' विकसित की गई हैं। यह 'संदर्शिकाएँ' शिक्षकों को शिक्षण विधियों, गतिविधियों, आकलन के तरीकों, पुनरावृति अभ्यास की रणनीतियों आदि से परिचित कराएँगी।

इस संदर्शिका में 'निपुण भारत मिशन' के सभी उद्देश्यों को केंद्र में रखा गया है। अकादमिक सत्र 2024-25 की संदर्शिका में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन अधिगम लक्ष्यों के लिए प्रयुक्त विषयवस्तु को 'साप्ताहिक' और 'दैनिक शिक्षण योजना' में विभाजित किया गया है। यह शिक्षण योजना कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण अधिगम सामग्रियों और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई है। संदर्शिका में शामिल सावधिक आकलन और पुनरावृत्ति भी शिक्षकों के लिए मददगार होगी।

शिक्षक संदर्शिकाओं को तैयार करने में 'लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन' द्वारा किए गए विशेष सहयोग के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं आशा करता हूँ, कि यह संदर्भ सामग्री वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षकों के लिए मददगार होगी। जिसकी मदद से बच्चों के भाषा शिक्षण की प्रक्रिया सरल और सहज होगी। और हम बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान को सफल बना पाएँगें।

धन्यवाद

प्रबंध संचालक
समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

विषय सूची

1. संदर्शिका का उपयोग 1

2. बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान छत्तीसगढ़ 2

3. सीखने की परिकल्पना 3

4. सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत 4

5. बच्चों के घर की भाषा को आधार बनाकर भाषा शिक्षण 5

    5.1 मौखिक भाषा विकास पर ज़ोर 5

    5.2 कक्षा में बच्चों की भाषा को महत्व देना 6

    5.3 हिंदी भाषा सिखाने के लिए अच्छा माहौल बनाना 7

6. कक्षा-2 में भाषा शिक्षण की एप्रोच 8

7. कक्षा-2 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2024-25) 11

8. कक्षा 2 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा और ढाँचा 12

9. कक्षा-2 में भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना 13

    9.1 कक्षा में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों का निर्माण 14

10. साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा 17

    10.1 साप्ताहिक शिक्षण योजना (सप्ताह 1 से 6 तक) 17

    10.2 साप्ताहिक शिक्षण योजना (सप्ताह 7 से 26 तक) 17

11. साप्ताहिक व दिवसवार योजना (सप्ताह 1 से 26 तक) 18

12. कक्षा-2 की गतिविधियों पर कैसे कार्य करें? 44

    12.1 पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ 45

    12.2 अभ्यास पुस्तिका पर कार्य एवं डिकोडिंग से संबंधित पठन लेखन की गतिविधियाँ 54

    12.3 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 58

13. आकलन एवं पुनरावृत्ति 63

    13.1 दैनिक गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन/समीक्षा 63

    13.2 साप्ताहिक योजना में आकलन 63

    13.3 सावधिक आकलन प्रक्रिया 66

14. साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 67

15. बच्चों के प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन के परिणाम 71

16. प्रिंट रिच वातावरण 73

17. कक्षा प्रबंधन 74

1. संदर्शिका का उपयोग

इस शिक्षक संदर्शिका में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के अंतर्गत शिक्षण प्रक्रिया की विभिन्न गतिविधियों के बारे में (क्या, क्यों और कैसे) विस्तार से बताया गया है। कक्षा शिक्षण में कक्षा प्रबंधन, कक्षा का वातावरण इत्यादि की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। अतः इन बिन्दुओं को भी संदर्शिका में शामिल किया गया है। शिक्षक संदर्शिका का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षकों के लिए भाषा शिक्षण की एप्रोच और सिद्धांत एवं अकादमिक सत्र 2024-25 के लिए निर्धारित की गई दक्षताओं पर शिक्षण कार्य करने की रणनीति, शिक्षण गतिविधि और सामग्री के उपयोग को विस्तार से प्रस्तुत करना है।

संदर्शिका की विषयवस्तु को समझना

शिक्षक संदर्शिका को एक बार ठीक से पढ़ लें। संदर्शिका पढ़ते समय अपने लिए नोट ज़रूर बना लें। शिक्षण कार्यशाला के दौरान इस संदर्शिका का उपयोग किया जाएगा। संदर्शिका के प्रमुख भाग अग्रानुसार हैं-

सैद्धांतिक पहलू

संदर्शिका के इस भाग में भाषा शिक्षण की एप्रोच और सिद्धांतों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

पृष्ठ 2 से 7

अधिगम लक्ष्य और भाषा शिक्षण की रणनीति

इस वर्ष के लिए तय वार्षिक लक्ष्य, वार्षिक और साप्ताहिक योजना, सामग्री इत्यादि के बारे में बताया गया है। इनको ही आधार बनाकर आगे की दैनिक योजनाएँ तैयार की गई हैं।

पृष्ठ 8 से 17

साप्तहिक/दैनिक योजना और संबंधित गतिविधियों पर कार्य

संदर्शिका के इस भाग को शिक्षण प्रक्रिया के दौरान उपयोग करें। इस अकादमिक सत्र में 26 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन के अधिगम लक्ष्यों के लिए प्रयुक्त विषयवस्तु को साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना में विभाजित किया गया है।

- दिन की शुरुआत में पहले उस दिन की दिवसवार योजना देखें।
- योजना के अनुसार प्रत्येक गतिविधि के लिए सामग्री और अन्य तैयारी कर लें।
- गतिविधि के लिए बताए गए चरणों और शिक्षण योजना का अनुसरण करें।
- गतिविधि के दौरान और बाद में अनौपचारिक आकलन या समीक्षा अवश्य करें।
- गतिविधि के अंत में ट्रैकर वाले कॉलम में अपना हस्ताक्षर और दिनाँक दर्ज करें।

पृष्ठ 18 से 62

आकलन और पुनरावृत्ति

इस भाग में बच्चों के सीखने के स्तर के आकलन की रणनीति बताई गई है। आकलन के बाद बच्चों के स्तर में सुधार के लिए किस तरह पुनरावृत्ति कार्य किये जाएँ, इसका विवरण दिया गया है।

पृष्ठ 63 से 72

प्रिंट रिच और कक्षा प्रबंधन

यहाँ शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए बेहतर कक्षा प्रबंधन और प्रिंट रिच वातावरण निर्माण के बारे में बताया गया है।

पृष्ठ 73 से 74

- कक्षा प्रक्रिया के दौरान इस संदर्शिका को अपने पास रखें। कक्षा में जाने से पूर्व योजना और गतिविधियों के तरीकों को एक बार पढ़ लें।
- ब्लॉक या संकुल स्तर पर होने वाली बैठकों में संदर्शिका अपने साथ ज़रूर लेकर जाएँ, ताकि अकादमिक चर्चा और संदर्भ के रूप में आप इसका उपयोग कर सकें।

2. बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान छत्तीसगढ़

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कौशलों पर समय रहते निपुणता हासिल करना बहुत महत्वपूर्ण है, परंतु हमारे देश के अधिकतर बच्चे इन बुनियादी कौशलों को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। विभिन्न शैक्षिक सर्वे एवं शोध जैसे कि एनसीईआरटी द्वारा किया गया राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण व प्रथम संस्था द्वारा किया गया ASER सर्वेक्षण भी इस बात को पुख्ता करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 द्वारा साझा किए गए आँकड़ों के अनुसार, वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय में 5 करोड़ से भी अधिक संख्या में शिक्षार्थियों ने बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त नहीं किया है। यह स्थिति निश्चित रूप से बहुत गंभीर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, बुनियादी कौशलों को महत्व देते हुए कहती है कि:

> ''सभी बच्चों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल करने के लिए तुरंत प्रभाव से एक राष्ट्रीय मिशन बनना चाहिए, जिसे कई मोर्चों पर किए जाने वाले तात्कालिक उपायों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ अल्पावधि में प्राप्त किया जाए। शिक्षा प्रणाली की सर्वोच्च प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि 2025 तक प्राथमिक विद्यालय में सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल कर लिया जाए''।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 द्वारा निर्देशित 'बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान मिशन' (FLN मिशन) एक राष्ट्रीय मिशन है। इसे जुलाई 2021 में, 'निपुण भारत' नाम से लाया गया है। इसका केंद्रीय उद्देश्य ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जिसके माध्यम से 2026-27 तक कक्षा-3 के अंत में सभी बच्चे पढ़ने-लिखने व संख्या ज्ञान की दक्षताओं को हासिल कर पाएँ। यह मिशन 3 वर्ष से लेकर 9 वर्ष तक के बच्चों पर केंद्रित है। एफ.एल.एन. मिशन, छत्तीसगढ़ इन लक्ष्यों को पाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है।

'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान' छत्तीसगढ़, राज्य की पाठ्यचर्या के अधिगम उद्देश्यों के अनुरूप ही विकसित किया गया है। इस अभियान की प्रमुख विशेषताओं को नीचे दिए गए चित्रात्मक प्रस्तुति द्वारा दर्शाया गया है-

अभियान की प्रमुख विशेषताएँ

- बच्चों के घर की भाषा को यथोचित स्थान देना और उसे एक संसाधन के रूप में प्रयोग करना
- भाषा शिक्षण प्रक्रिया में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति का उपयोग
- संरचित शिक्षण-शास्त्र एप्रोच (Structured Pedagogy Approach) को आधार बनाकर कक्षा-प्रक्रिया
- शिक्षक प्रशिक्षण, नियमित समीक्षा और नियोजन
- स्कूल स्तर पर अकादमिक सहयोग
- स्थानीय स्रोत सदस्यों (SRGs, DRGs, CACs & BRGs) की महत्वपूर्ण भूमिका

3. सीखने की परिकल्पना

3.1 बच्चे कैसे सीखते हैं?

बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ-साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहजनक परिवेश का होना भी ज़रूरी है। ये दोनों घटक: 'जन्मजात क्षमता' एवं 'सामाजिक परिवेश' साथ मिलकर बच्चों के अनुभव और समझ को गढ़ते हैं।

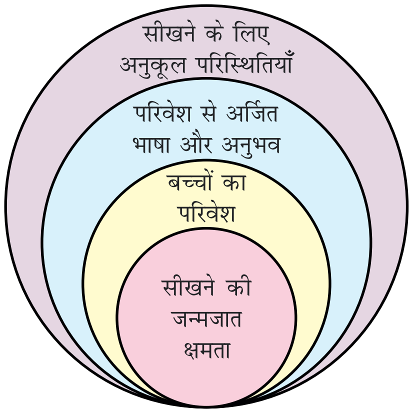

बच्चे अपनी इस समझ और अनुभव को स्वाभाविक रूप से अपने हाव-भाव के साथ घर की भाषा में सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। इसलिए, यह कथन कि 'बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वे खाली तख्ती की तरह नहीं होते हैं', बिलकुल सही है। बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो अपने साथ समृद्ध अनुभव लेकर आते हैं, जिसे घर की भाषा में मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकते हैं।

बच्चों के सीखने में विद्यालयों की भूमिका

ऐसी स्थिति में यदि हम विद्यालयों में बच्चों के परिवेश, उनके अभी तक के अनुभव, समझ और उनके घर की भाषा के लिए जगह बनाते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं तो उनके 'सीखने के अनुभव' और 'गति' को बल मिलता है। इसके साथ ही, इस तरह के अनुकूल वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह को विकसित करते हैं।

3.2 सीखने की प्रक्रिया

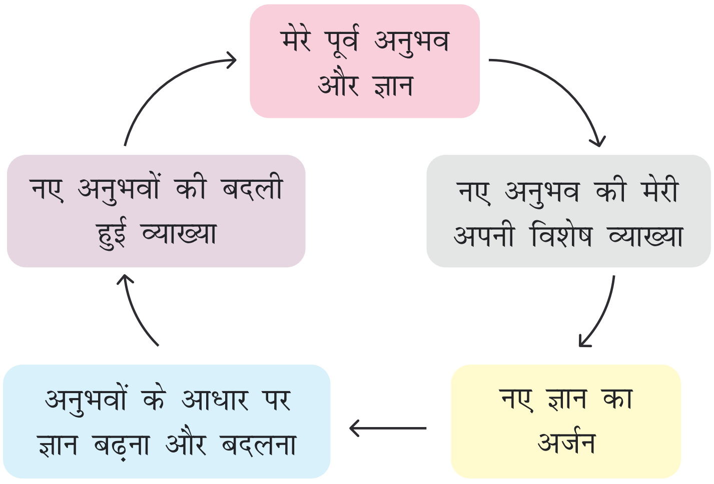

सीखना एक सतत प्रक्रिया है- यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितनी की बड़ों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते एवं गढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नए विचारों को बनाते हैं। इस तरह, नए अनुभव, उनके पहले के (संबंधित) अनुभवों से जुड़ते हैं और उनकी समझ को बढ़ाते एवं समृद्ध करते हैं या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए, ताकि हम हमेशा सजग रहें कि हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाइयों की पहचान कर सकें। साथ ही, लक्षित दक्षताओं को हासिल करने में बच्चों की मदद कर पाएँ। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएँगे या उनमें संशोधन कर, बिल्कुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएँगे। यह उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगा।

4. सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत

सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत हैं, जो कक्षा-कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

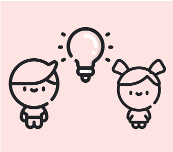

1. **सभी बच्चे सीख सकते हैं :** सभी बच्चों के मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण सभी बच्चे सीखने के लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह ज़रूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्राय: इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान कार्य में उनकी सक्रिय रूप से सहभागिता कितनी रही।

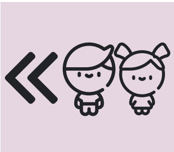

2. **कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव का उपयोग करना :** अगर हम कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो जहाँ एक तरफ बच्चों की समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वहीं दूसरी तरफ, कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया रोचक और प्रभावी हो जाती है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं, जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक हैं।

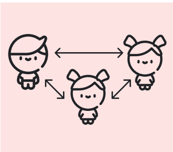

3. **बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया केवल शिक्षक केंद्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपने हम-उम्र साथियों के साथ ज़्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नई बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर दिए जाएँ तो इसके परिणाम बेहतर होंगे।

4. **सीखने में बच्चों की मदद करना :** शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में ज़्यादातर समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहें तो बच्चों को खुद से कार्य या अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर ज़रूरत के हिसाब से शिक्षक को उनकी मदद करनी चाहिए।

5. **कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना :** यह ज़रूरी है कि कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करवा सकते हैं। शिक्षक और बच्चों के बीच, बच्चों और बच्चों के बीच संबंध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

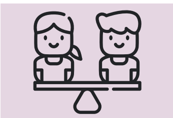

6. **सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना :** एक शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग-अलग रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

7. **सोचने की प्रक्रिया के मौके और प्रोत्साहन देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें सोचने और कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सहभागिता के दौरान नियमित रूप से प्रोत्साहन मिले।

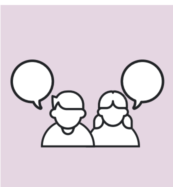

8. **बच्चों के घर की भाषा का उपयोग एवं सघन बातचीत के अवसर देना :** प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज़्यादा अपने घर की भाषा में सहज महसूस करते हैं। इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारा चिंतन संबंधी कार्य करते हैं। इसलिए उनके घर की भाषा एवं चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अधिक अवसर मिलेंगे, वे भाषायी रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ ही, उनमें अभिव्यक्ति-क्षमता और कल्पना-शक्ति का भी विकास होगा।

9. **सतत आकलन :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत आकलन बहुत आवश्यक है। सतत आकलन के द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन-सा बच्चा किस स्तर पर है और उसके लिए कौन-सी शिक्षण रणनीति ज़्यादा कारगर होगी।

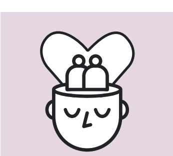

10. **सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम :** अनेक शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में, हमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग-अलग पहलुओं पर भी काम करते रहना होगा।

5. बच्चों के घर की भाषा को आधार बनाकर भाषा शिक्षण

प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की बेहतर ढंग से भाषा एवं साक्षरता शिक्षण की शुरुआत के लिए निम्नलिखित घटकों की समझ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

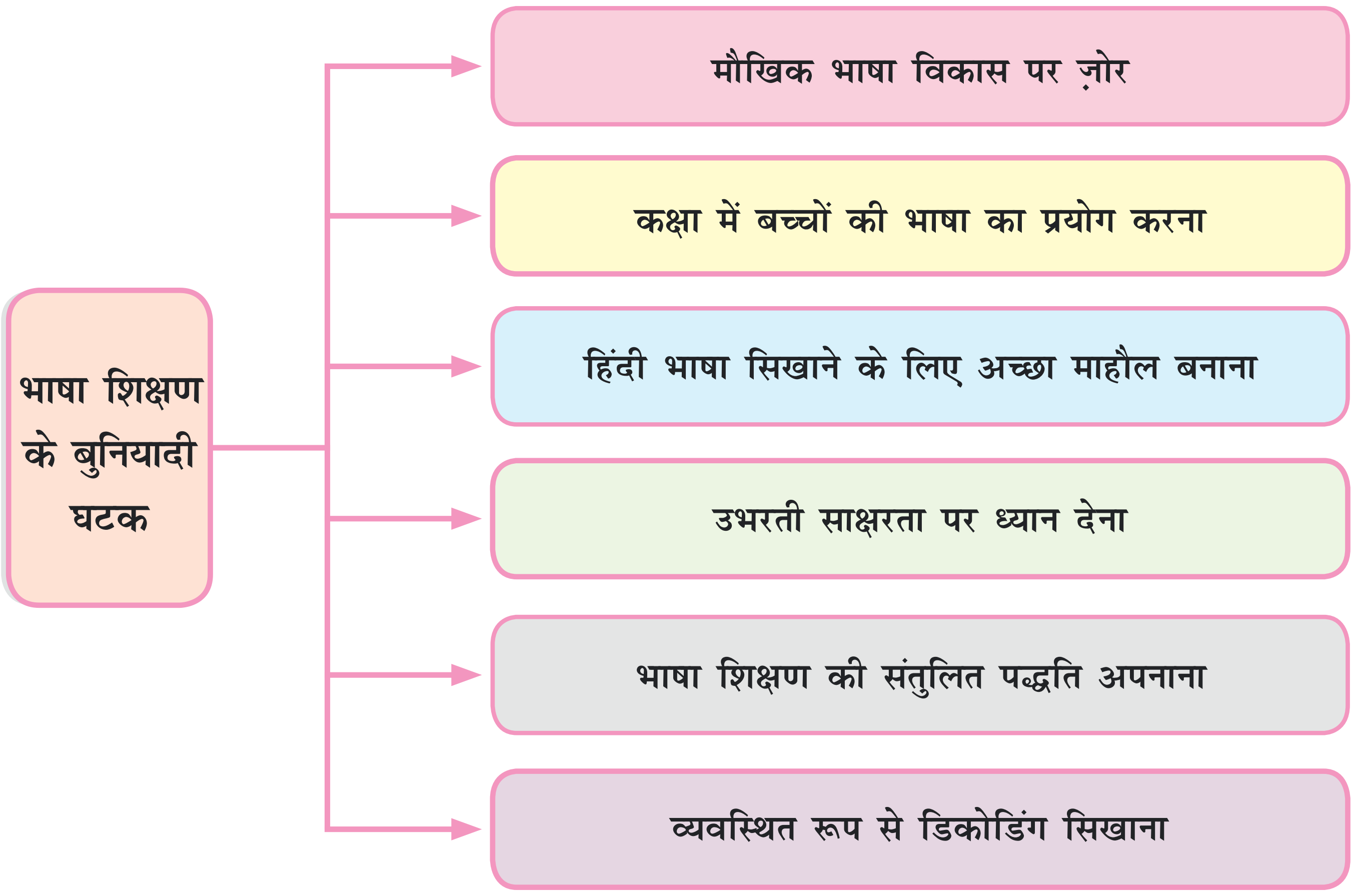

5.1 मौखिक भाषा विकास पर ज़ोर

मौखिक भाषा के विकास का अर्थ वास्तविक तौर पर केवल बोलने और सुनने की क्षमता से कहीं ज़्यादा होता है। पढ़ना और लिखना, एक तरह से मौखिक भाषा के पहलुओं तथा सुनकर समझने और बोलकर अपनी बात कह पाने का ही विस्तार है। इस प्रकार, मौखिक भाषा का विकास ही पठन और लेखन का आधार बनता है। जब बच्चे कक्षा में कहानियाँ सुनते हैं और बातचीत करते हैं तो उनका परिचय नए शब्दों से होता है। साथ ही उनका सामान्य ज्ञान भी बढ़ता है। यह उनके आगे होने वाले पठन और लेखन के लिए पृष्ठभूमि का काम करता है। जिन बच्चों के घर की भाषा स्कूल की भाषा से अलग होती है, उनके साथ शुरुआत में हर रोज़ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ की जाएँ, जैसे- चित्रों पर चर्चा, अनुभवों पर चर्चा, कहानी, कविता और गीत को हाव-भाव से सुनाना और चर्चा करना आदि। इससे बच्चों को भाषा विकास में बहुत मदद मिलती है। वे धीरे-धीरे स्कूल की औपचारिक भाषा समझने लगते हैं।

आइए, ज़रा नज़र डालें कि मौखिक भाषा का विकास क्यों आवश्यक है?

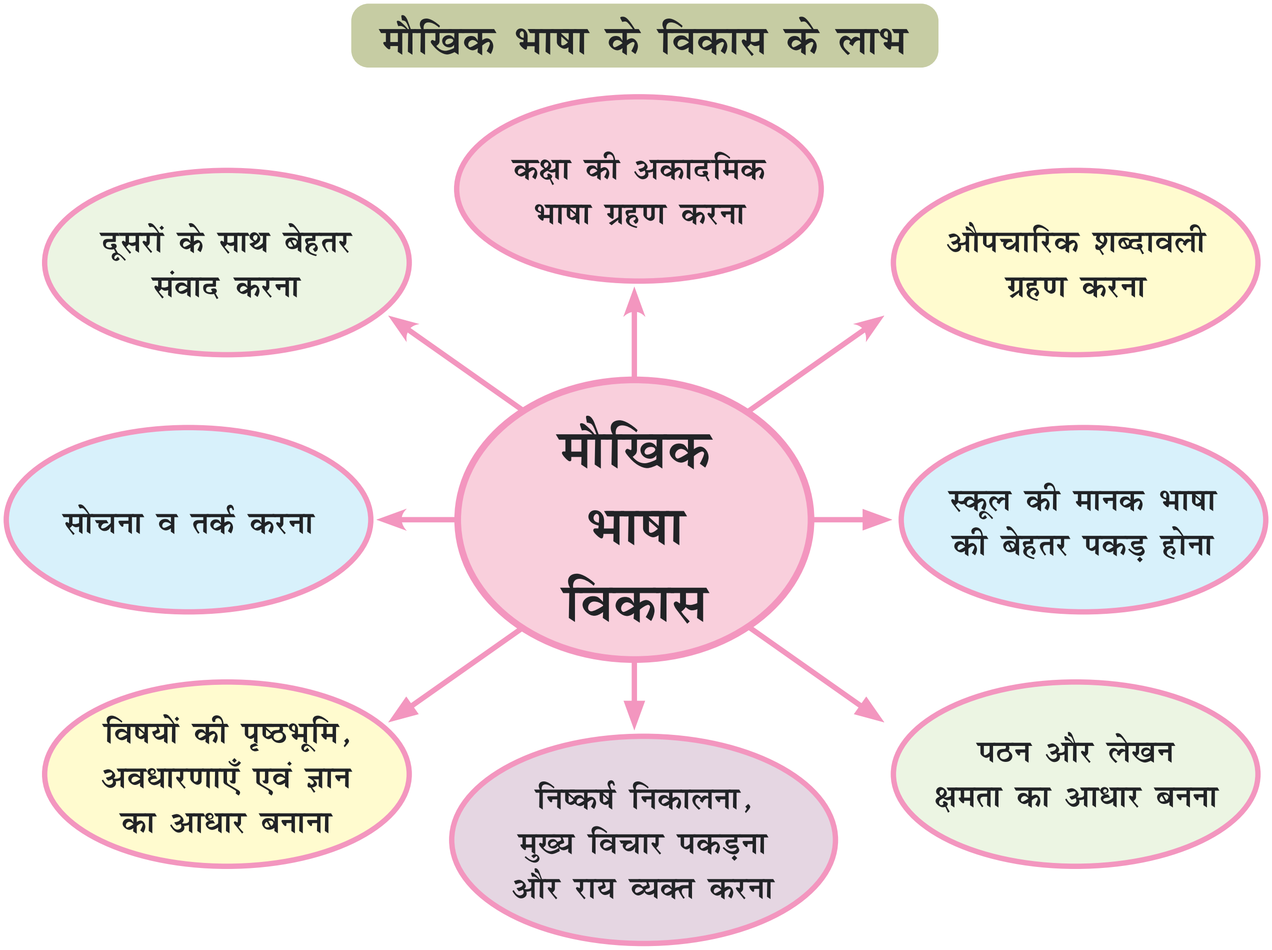

ऊपर दिए गए सभी कारणों की वजह से प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों को सुनकर समझने और बोलने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। यही नहीं, यह भी बहुत ज़रूरी है कि बच्चों को शुरुआत में उसी भाषा में बात करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, जिसे वे स्कूल में आने से पहले जानते हों।

मौखिक भाषा का विकास ही वह नींव है, जिस पर पढ़ने और लिखने की इमारत बनती है। अगर प्रारंभिक कक्षाओं में मौखिक भाषा का मज़बूत विकास हो जाए तो यह सीखने की अन्य प्रक्रियाओं के लिए एक ठोस 'नींव' बनती है।

5.2 कक्षा में बच्चों की भाषा को महत्त्व देना

बच्चों को उनकी भाषा का प्रयोग करने और सुनने-समझने के पूरे मौके दिए जाएँगे क्योंकि:

- भाषा सोचने, समझने और सीखने का एक साधन है। बच्चे केवल उस भाषा के माध्यम से ही बेहतर सोच और समझ सकते हैं, जिसे वे अच्छी तरह जानते हैं।
- अगर कक्षा में बच्चों की मातृभाषा का भी प्रयोग किया जाए तो उन्हें इस भाषा के सहारे स्कूली भाषा तक आने के लिए समय और मदद दोनों मिलते हैं। इस तरह, वे अपनी भाषा में प्राप्त बहुत से कौशलों और जानकारियों का प्रयोग स्कूली भाषा में कर सकते हैं। जैसे, संदर्भ से अनुमान लगाकर किसी शब्द का अर्थ निकालना।
- बच्चों को ज्ञात से अज्ञात, परिचित से अपरिचित की ओर बढ़ना चाहिए (एन.सी.एफ. 2005, NEP 2020)। जिस भाषा में बच्चे

सबसे अच्छी तरह समझते हैं (मातृभाषा), वे उसका उपयोग अपने पूर्व ज्ञान और अनुभवों द्वारा नए ज्ञान का सृजन करने में करते हैं। इससे कक्षा भी अधिक बाल केंद्रित बन जाती है।

- सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की भाषा को शामिल करने से उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और अब तक अर्जित किए गए ज्ञान को सम्मान मिलता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह स्कूल समुदाय के निकट आता है।
- बच्चों की भाषा को कक्षा में स्थान देने से स्कूल की भाषा (हिंदी) के विकास को नुकसान नहीं पहुँचता। हमारे देश में किए गए कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि जिन बच्चों की पढ़ाई उनकी अपनी भाषा में हुई है, उनका भाषा और गणित में प्रदर्शन ऐसे बच्चों के मुकाबले बेहतर रहता है, जो मातृभाषा के बजाय किसी अन्य भाषा के माध्यम से पढ़कर आए हैं।
- नीचे दी गई चित्रात्मक प्रस्तुति द्वारा यह दर्शाया गया है कि घर की भाषा को स्कूल में क्यों सम्मिलित किया जाना चाहिए।

घर की भाषा क्यों?

- परिचित भाषा में सोचना, समझना और सीखना आसान
- ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ने से ज्ञान का सृजन
- बच्चों की संस्कृति को सम्मान और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा
- बच्चों की बेहतर भागीदारी और अभिव्यक्ति

बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान में बच्चों की भाषा के प्रयोग को पूरा प्रोत्साहन दिया जाएगा। मातृभाषा का प्रयोग मुख्य रूप से मौखिक भाषा विकास, सोचने-समझने और हिंदी सीखने में मदद के लिए किया जाएगा। मातृभाषा और हिंदी चरणबद्ध और सोची-समझी योजना के अनुसार कक्षा में प्रयोग में लाई जाएगी, जिसके बारे में आगे हम विस्तार से जानेंगे।

5.3 हिंदी भाषा सिखाने के लिए अच्छा माहौल बनाना

यदि दूसरी भाषा सिखाने के लिए भी बच्चों को घर की भाषा सीखने जैसा माहौल दिया जाए तो वे अधिक आसानी से सीख सकते हैं। अत: यह समझना ज़रूरी है कि बच्चे घर में अपनी भाषा इतनी आसानी से कैसे सीख लेते हैं? इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए, इस कार्यक्रम में बच्चों को हिंदी सिखाने के लिए कुछ विशेष कदम उठाए जाएँगे, जो इस प्रकार हैं-

<table>
<tr><td>हिंदी बोलने और सुनने के अधिक से अधिक मौके दिए जाएँ।</td><td>हिंदी का प्रयोग बच्चों के संदर्भ में जुड़ा हुआ और सार्थक हो।</td><td>हिंदी भाषा के प्रयोग के अवसर रुचिकर और मज़ेदार हों।</td><td>कक्षा में चिंतामुक्त और खुशनुमा माहौल हो।</td></tr>
<tr><td colspan="4">हिंदी सिखाने के लिए अनुकूल माहौल</td></tr>
<tr><td>पढ़ने-लिखने और मौखिक गतिविधियों में सरल हिंदी काम में लायी जाए, जो आसानी से बच्चों को समझ में आ जाए।</td><td>हिंदी भाषा चित्रों/ भाव-भंगिमा/ स्पष्ट उच्चारण/ सरल वाक्य संरचना आदि तरीकों द्वारा बच्चों के लिए समझने योग्य बनाई जाए।</td><td>हिंदी के प्रयोग का या परीक्षा का अनावश्यक दबाव न डाला जाए।</td><td>आरंभ में हिंदी में की गई गलतियों को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और बहुत सुधार करने से बचें।</td></tr>
</table>

6. कक्षा-2 में भाषा शिक्षण की एप्रोच

6.1 संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति

इस कार्यक्रम में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति को काम में लिया गया है। पढ़ने की वास्तविक प्रक्रिया को यदि समझने का प्रयास करें तो हम पाएँगे कि 'शब्द-पहचान' और 'अर्थ निर्माण' की क्रिया साथ-साथ हो रही होती है। कुशल पठन न तो शब्दों को पहचाने बिना और न ही अर्थ समझे बिना किया जा सकता है। संतुलित भाषा पद्धति में बच्चों के साथ शब्द पहचान (डिकोडिंग) और अर्थ निर्माण पर साथ-साथ कार्य किया जाता है।

6.1.1 शब्द पहचान/डिकोडिंग

शब्द पहचान ध्वनि/वर्ण के संबंध को समझते हुए शब्द को पढ़ पाने की क्षमता है। डिकोडिंग सिखाने की प्रक्रिया को अंश आधारित भाषा शिक्षण कहा जाता है।

6.1.2 अर्थ निर्माण

अर्थ निर्माण का आशय भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ से है। इसके तहत समृद्ध शब्द-भंडार, सांसारिक समझ, वाक्य-विन्यास की समझ जैसे कौशल आते हैं। सांसारिक समझ से तात्पर्य यह है कि स्कूल बोलने से बच्चे को स्कूल की पूरी तस्वीर और अनुभव नज़र आए। अर्थ निर्माण के कौशल के तहत कई चीज़ें आती हैं, जैसे- अपने पूर्व ज्ञान का इस्तेमाल करना अथवा पाठ को अपने अनुभवों से जोड़ पाना, अनुमान लगाना, पाठ के अलग-अलग हिस्सों को आपस में जोड़ पाना, निष्कर्ष निकालना इत्यादि। समग्र भाषा शिक्षण में इन पहलुओं पर अत्यधिक ज़ोर दिया जाता है।

भाषा शिक्षण में दोनों तरह के कौशलों के कार्य में संतुलन होना चाहिए और बच्चों को इन दोनों प्रक्रियाओं को साथ-साथ विकसित करने के मौके मिलने चाहिए।

6.2 प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग (समृद्ध शब्द पहचान)

प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग और पढ़कर समझना शब्दों को पहचानना और कुशल पठन के महत्त्वपूर्ण हिस्से हैं। नीचे दिए गए विवरण से इन्हें समझते हैं। ताकि बच्चों को एक कुशल पाठक बनने में सहायक शिक्षण कार्य को जान सकें। एक बच्चा पढ़कर कितना समझ रहा है यह उसके प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग पर भी निर्भर करता है। नीचे एक बच्चे के द्वारा कहानी पढ़ने के प्रयास को देखें।

इस प्रकार बच्चे ने कहानी तो पढ़ ली, लेकिन जब पाठ आधारित प्रश्न पूछे, तो वह एक भी सवाल का उत्तर नहीं दे पाया। आखिर ऐसा क्यों हुआ होगा?

वास्तव में, यहाँ जब यह बच्चा पढ़ रहा है तो उसका अधिकांश समय और ध्यान एक-एक वर्ण को जोड़ते हुए शब्द बनाने में लग रहा है। जैसे-जैसे वह आगे के शब्दों को पढ़ रहा है, वह पिछले पढ़े शब्दों को भूलता जा रहा है। इस वजह से वह सचेत रूप से अर्थ को समझने पर ध्यान नहीं दे पा रहा।

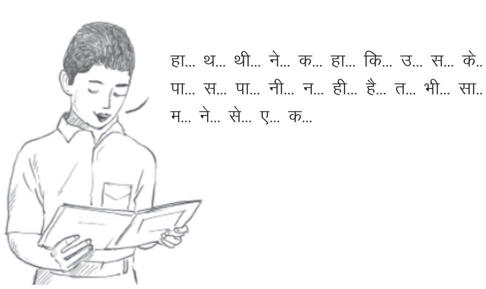

दूसरे शब्दों में कहें तो जब पाठक तेज़ी से और आराम से किसी सूत्रबद्ध पाठ को पढ़ते हैं तो बजाय शब्द-पहचान पर ध्यान देने के, वे अपना ध्यान पाठ का अर्थ पकड़ने में लगाते हैं। दूसरी ओर, जब पाठक शब्दों को डिकोड करने से जूझ रहे हों तो इसी दौरान उसे समझने पर ध्यान नहीं दे पाते।

परिणामस्वरूप, ऐसे बच्चे को बार-बार अपना ध्यान कभी शब्दों को पहचानने पर तो कभी अर्थ-निर्माण के बीच बदलते रहना पड़ता है। इसकी वजह से दोनों में से कोई भी प्रक्रिया अच्छी तरह नहीं हो पाती। इससे ऐसी स्थिति बनती है जिसमें पाठक पढ़े हुए पाठ को समझ नहीं पाते हैं।

इसका अर्थ यह हुआ कि अगर पढ़ते समय गति स्वतः स्फूर्त न हो तो पढ़े हुए को समझना काफी कठिन हो जाता है। यानी किसी भी कहानी/लेख को पढ़कर समझने के लिए आवश्यक है कि उसे उचित गति और सही-सही पढ़ा जाए। परंतु, बच्चे हमेशा ही धाराप्रवाह पढ़ते हुए लेख को समझ लेंगे, यह भी ज़रूरी नहीं।

- कई बार तेज़ी से पढ़ते हुए बच्चे लेख को समझ नहीं पाते। ऐसा तब होता है जब वे पाठ के साथ कोई भावपूर्ण या व्यक्तिगत रिश्ता नहीं जोड़ पाते और सिर्फ शब्दों को जल्दी-जल्दी डिकोड करते चले जाते हैं।
- पढ़ने की गति का समझने पर प्रभाव एक हद तक ही होता है। एक बार बच्चे उचित गति से पढ़ना शुरू कर दें, उसके बाद यह गति बढ़ा देने से समझ बढ़ेगी ऐसा नहीं होता।

fopkj djs

यह तो हमने समझ लिया कि पाठ को प्रवाह से पढ़ पाना उसे समझने के लिए ज़रूरी है। तो क्या पहले पूरा बल केवल प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग पर लगा देना सही रणनीति है?

प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग पढ़कर समझने के लिए आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं। डिकोडिंग के साथ-साथ समझ पर काम करना ज़रूरी है। ये दोनों एक साथ विकसित होने वाले कौशल हैं तथा एक-दूसरे को समृद्ध करते हैं। जैसे-जैसे बच्चों के सही पढ़ने की गति बढ़ेगी, वैसे ही पाठ पर उनकी समझ बेहतर होगी। साथ ही साथ, जैसे-जैसे पाठ पर बच्चों की समझ बेहतर होगी, पाठ को पढ़ने की उनकी गति भी बढ़ती जाएगी।

पढ़कर समझना

पठन के साथ ही समझते हुए पढ़ने के लिए आवश्यक है कि शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से पढ़कर समझने से जुड़ी रणनीतियों पर कार्य करें। यदि हम वास्तव में चाहते हैं कि सभी बच्चे समझते हुए पढ़ना सीखें तो प्रारंभिक कक्षाओं से ही पाठ को पढ़ाते समय उस पर ढेर सारी चर्चा की जानी चाहिए और समझते हुए पढ़ने से संबंधित उचित रणनीतियाँ सिखाई जानी चाहिए।

समझते हुए पढ़ने की रणनीतियाँ

कक्षा-2 के अंत तक बच्चा छोटे-छोटे पाठ को समझते हुए पढ़कर अर्थ समझ सके, तार्किक कौशलों का उपयोग कर सके, पाठ से 2 या अधिक वाक्यों के आधार पर निष्कर्ष निकाल सके, कहानी को परिस्थिति, पात्रों, घटनाओं के सही क्रम व सही अंत के साथ पुनः सुनाने में सक्षम हो सके। इन सभी प्रकार के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूरे वर्ष शिक्षकों को अपनी कक्षा में समझते हुए पढ़ने की विभिन्न रणनीतियों को स्थान देने की आवश्यकता है-

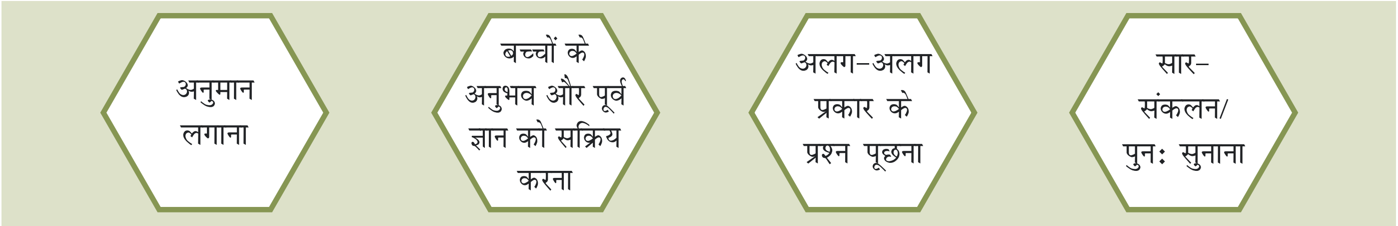

कक्षा-2 में बच्चों के डिकोडिंग का आधारभूत कौशल अच्छी तरह से विकसित हो, इसके लिए शिक्षक को पूरा ध्यान और समय देना चाहिए। यही आगे चलकर प्रवाहपूर्ण पठन का आधार का काम करेगा।

अनुमान लगाना

अनुमान लगाने का अर्थ है पाठ पढ़ते हुए अपने मौजूदा ज्ञान और अनुभव के आधार पर यह सोचते जाना कि पाठ में आगे क्या होगा। अच्छे पाठक हमेशा पढ़ने से पहले और पढ़ने के दौरान अनुमान लगाते चलते हैं। पढ़ने से पहले अगर बच्चे अनुमान लगाने लगें तो उन्हें अपनी सोच केंद्रित करने में मदद मिलती है।

बच्चों के अनुभव और पूर्वज्ञान को सक्रिय करना

अच्छा पृष्ठभूमि ज्ञान और पिछले अनुभव नए अर्थ-निर्माण पर गहरा प्रभाव डालते हैं। बच्चों के पूर्वज्ञान को उकसाने वाले प्रश्न पूछने चाहिए। यह न केवल उनके लिए लाभदायक है जो विषय के बारे में पहले से जानते हैं, बल्कि उन बच्चों के लिए भी बहुत ही महत्त्वपूर्ण है? जिनके पास पहले से कोई जानकारी नहीं। चर्चा में दूसरों की बात सुनकर उन्हें भी नई जानकारी मिलती है और पढ़े जा रहे पाठ से जुड़ने का मौका मिलता है।

अनुमान पर कार्य कैसे करें?

- **पाठ पढ़ने से पहले:** पाठ शुरू करने से पहले बच्चों का ध्यान पाठ के शीर्षक, चित्र या मोटे फॉन्ट में लिखे हुए शब्दों पर आकर्षित कर सकते हैं और बच्चों से पूछ सकते हैं कि इनके आधार पर वे पाठ के बारे में अनुमान लगाएँ।
- **पढ़ने के दौरान:** कहानी पढ़ने के दौरान बीच में रुककर बच्चों से ज़रूर पूछें- 'तुम्हें क्या लगता है, आगे क्या होगा?' समय-समय पर कहानी बढ़ने के साथ बच्चों की कहानी से अपेक्षाएँ और कल्पनाएँ बदलती रहेंगी और इस तरह बच्चों के अनुमान भी बदल जाएँगे। बच्चों को अपने अनुमान की जाँच करने और उसे बदलने का मौका भी दे सकते हैं।
- **पढ़ने के बाद:** बच्चों से पूछें कि आप सभी ने क्या सोचा था या क्या अनुमान लगाया था कि कहानी में क्या होगा और वास्तव में क्या हुआ? बच्चों के अनुमान कितने नज़दीक थे।

अलग प्रकार के प्रश्न पूछना

समझ बढ़ाने के लिए, अच्छे प्रश्न पूछना सबसे शक्तिशाली और कारगर तरीका हो सकता है। शिक्षक जितने ज़्यादा उच्चस्तरीय सवाल पूछते हैं, उन पर बच्चों को सोचने का मौका और समय देते हैं, उतना ही बच्चों की सोच, तर्क करने के कौशल और समझने की क्षमता में सुधार आता है। कुछ प्रश्नों के उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

1. पूर्व ज्ञान से जुड़े प्रश्न: ये प्रश्न बच्चों की कहानी से जुड़े पूर्व ज्ञान को बढ़ाने या मौजूदा पूर्व ज्ञान को जागृत करने में सहायक होते हैं। जैसे, रेगिस्तान का क्या मतलब है? क्या आप में से कोई राजस्थान गया है?

2. अनुमान लगाने वाले प्रश्न: ये प्रश्न बच्चों को अलग-अलग संकेतों का उपयोग करते हुए अनुमान लगाने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, रेत में चलने में क्या-क्या दिक्कते आती होंगी? ऊँट क्या-क्या खाता होगा?

3. निष्कर्ष निकालने वाले प्रश्न: पाठ में जो स्पष्ट रूप से नहीं दिया, उससे जुड़े अनुमान लगाने वाले प्रश्न बच्चों को स्वयं निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, ऊँट कितने दिन तक बिना पानी के रह सकता है?

4. विश्लेषण तर्क/वितर्क राय देने से जुड़े प्रश्न: ये प्रश्न बच्चों को अलग-अलग दृष्टिकोण समझने या अपना दृष्टिकोण बताते हुए उससे जुड़े तर्क देने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, अगर रेत गर्म हो तो ऊँट को क्या-क्या परेशानी हो सकती है? क्या ऊँट बारिश में भी चल सकता है?

5. कल्पनाशीलता को बढ़ाने वाले प्रश्न: ये प्रश्न बच्चों को कहानी से हटाकर उनकी कल्पना को नई उड़ान देते हैं। जैसे, जब आँधी चलती है तो रेगिस्तान में क्या होता होगा? ऊँट तब भी रेत में चल पाते होंगे?

6. जीवन से जोड़ने वाले प्रश्न: ये प्रश्न कहानी को बच्चों से जोड़ने में सहायक होते हैं। जैसे, जब आप कहीं घूमने जाते हैं और आपके पास पानी खत्म हो जाए तो क्या-क्या समस्याएँ आती हैं?

सार-संकलन/पुनः सुनाना

दोबारा सुनाने और सार-संकलन करने से मौखिक भाषा प्रवाह विकसित करने में मदद मिलती है। इससे कहानी की संरचना के बोध में सुधार आता है, विचारों को व्यवस्थित करने और तथ्यों व सूचनाओं को क्रमबद्ध करने का अभ्यास होता है। साथ ही, व्यक्तिगत व्याख्याएँ करने और समझते हुए पढ़ने की क्षमता में सुधार आता है। बच्चों को सार संकलित करने और कहानियों को फिर से सुनाने के अवसर मिलने चहिए।

7. कक्षा-2 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2024-25)

कक्षा-2 के लिए 26 सप्ताह की योजना निर्धारित की गई हैं। इसके निर्धारित लक्ष्य इस प्रकार हैं-

	दक्षताएँ	राज्य के सीखने के प्रतिफल
मौखिक भाषा विकास	**सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना** • कहानी के पाठ से परे सरल निष्कर्ष वाले प्रश्नों के उत्तर देना। **मौखिक शब्दावली** • सरल शब्दों जैसे- समान, विजेता इत्यादि के अर्थ समझना और घर की भाषा में प्रयोग कर पाना। **मौखिक अभिव्यक्ति व वर्णन** • बातचीत में अपने अनुभव और विचार को घर की भाषा या हिंदी में स्पष्ट तरीके से व्यक्त कर पाना। • चित्र कहानी या सुनी हुई कहानी की मुख्य घटनाओं को हिंदी के सरल वाक्यों में सुना पाना।	LH201 LH202 LH203 LH204 LH205 LH206 LH207 LH208 LH209
डिकोडिंग	**ध्वनियों में जोड़-तोड़ कर पाना** • अपरिचित शब्दों (5-6 वर्ण/अक्षर) की ध्वनियों को जोड़-तोड़ कर पाना। **वर्ण पहचान** • वर्णों/अक्षरों की पहचान करना। **शब्द पहचान/पढ़ना** • बड़े और कठिन शब्द (4-5 अक्षर) प्रवाह के साथ पढ़ना।	LH211 LH212
पठन	**मौखिक पठन प्रवाह** • 50-60 शब्द (7-10 सरल वाक्यों) वाले पाठ को 25-30 शब्द प्रति मिनट की दर से प्रवाह के साथ पढ़ पाना। **पढ़कर समझना** • 50-60 शब्द (7-10 सरल वाक्यों) वाले पाठ को पढ़ना और पाठ से जुड़े प्रश्नों (तथ्यात्मक और सरल निष्कर्षात्मक) के उत्तर देना।	LH210 LH213
लेखन	**लेखन** • पाठ से जुड़े प्रश्न के उत्तर 1-2 सरल वाक्य में लिख पाना। **लेखन (रचना)** • अपने अनुभव/भावना/विचार/कहानी या किसी चित्र के बारे में 2-3 सरल वाक्य लिख पाना।	LH214 LH215 LH216 LH217

8. कक्षा 2 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा

कक्षा 2 की सामान्य रूपरेखा

इस संदर्शिका में 26 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मुख्य फोकस प्रवाहपूर्ण पठन और समझ आधारित गतिविधियों पर रहेगा। बच्चे अपने स्तर के पाठ को पढ़कर समझ सकें। इसके लिए मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन की गतिविधियों को व्यवस्थित किया गया है।

पाठ्यपुस्तक पर कार्य, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित पठन-लेखन (30-35 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः डिकोडिंग एवं संबंधित पठन-लेखन अभ्यास (35-40 मिनट)	पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
गतिविधियाँ	**गतिविधियाँ**	**गतिविधियाँ**
• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पर कार्य • चित्र चार्ट पर कार्य • सृजनात्मक गतिविधि • कहानी सुनाना • मौखिक खेल गतिविधि • अनुभव/अभिनय	• पुनरावृत्ति वर्ण/अक्षर और मात्रा • पाठ पर आधारित पठन और लेखन की गतिविधियाँ (पढ़कर सुनाना, मार्गदर्शन में पठन और स्वतंत्र पठन)	• मार्गदर्शन में पठन • स्वतंत्र पठन • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
सामग्री	**सामग्री**	**सामग्री**
• पाठ्यपुस्तक • चित्र चार्ट • सृजनात्मक खेल • बच्चों के लिए नोटबुक, अभ्यास पुस्तिका, पेंसिल रंग आदि	• वर्ण/अक्षर मात्रा कार्ड • ग्रिड कार्ड • अभ्यास पुस्तिका • श्रुतलेख के लिए नोटबुक	• अभ्यास पुस्तिका • पुस्तकालय की किताबें

चित्र चार्ट

बच्चों के लिए बड़े आकार के चित्र चार्ट का उपयोग मुख्य रूप से बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के लिए किया जाएगा। पाठ्यपुस्तक के चित्रों का उपयोग भी किया जा सकता है।

वर्ण/अक्षर कार्ड

ग	का
आ	र

कक्षा-2 में वर्ण/अक्षर कार्ड का उपयोग बच्चों को वर्ण और अक्षरों की पहचान के लिए करेंगे। इस तरह के वर्ण/अक्षर कार्ड स्कूल स्तर पर भी बनाए जा सकते हैं।

पाठ्यपुस्तक

राज्य की पाठ्यपुस्तक का उपयोग कई तरह की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

9. कक्षा-2 में भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना

सप्ताह संख्या	किए जाने वाले काम का विवरण
सप्ताह 1 से 6 तक	• कक्षा-1 की दक्षताओं का दोहरान (वर्ण मात्रा, शब्द पठन, वाक्य/वाक्यांश पठन) • पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 1 से 6 तक) पर काम • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ • चित्र चार्ट पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ 1 से 30 पर कार्य (पुनरावृत्ति)
सप्ताह 7 से 12 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 7 से 12) पर मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत काम • चित्र/अनुभव/अभिनय पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ 31 से 60 पर कार्य • शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन/ स्वतंत्र पठन एवं पुनरावृत्ति
सप्ताह 13 सावधिक पुनरावृत्ति	• सप्ताह 12 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन और पुनरावृत्ति
सप्ताह 14 से 19 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 13 से 18) पर मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत काम • अभ्यास पुस्तिका के पाठ 61 से 90 पर कार्य • पठन प्रवाह आकलन
सप्ताह 20 सावधिक पुनरावृत्ति	• सप्ताह 19 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन और पुनरावृत्ति
सप्ताह 21 से 25 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठ (पाठ सं. 19) पर मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत पठन लेखन का कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ 91 से 115 पर कार्य • पठन प्रवाह आकलन
सप्ताह 26 से आगे	• वार्षिक आकलन पूर्व पुनरावृत्ति अभ्यास

अभ्यास पुस्तिका

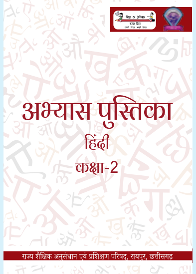

कक्षा-2 के सभी बच्चों के लिए अभ्यास पुस्तिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग डिकोडिंग, पठन और लेखन के लिए किया जाएगा।

पुस्तकालय

स्कूल के पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, बिग बुक का उपयोग कई तरह की गतिविधियों के लिए किया जाएगा। (पढ़कर सुनाना, साझा पठन आदि)

शिक्षक संदर्शिका

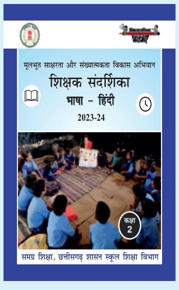

शिक्षकों के लिए संदर्शिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग दैनिक योजना, गतिविधियों का विवरण, कार्य के चरण व शिक्षण कार्य के निर्देशों को समझने के लिए किया जाएगा।

9.1 कक्षा में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों का निर्माण

9.1.1 ग्रिड कार्ड बनाने का तरीका

कक्षा कक्ष में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में ग्रिड कार्ड बच्चों के वर्ण/अक्षर/शब्द पहचान तथा पठन अभ्यास के लिए बहुत उपयोगी है। ग्रिड कार्ड की सहायता से बच्चे समूह या खुद से ही सीखने का प्रयास कर सकते हैं। ग्रिड कार्ड से खेल–खेल में ही वर्णों, अक्षरों और शब्दों के पहचान की गतिविधि कराई जा सकती है ।

ग्रिड के प्रकार :

1. क्रमिक ग्रिड –

यह ग्रिड किसी खास मात्रा की पहचान के लिए है।

ग	गा	ज	जी
म	मा	न	नी
न	ना	प	पी
र	रा	त	ती

क्रमिक ग्रिड

2. अक्रमिक ग्रिड –

इस ग्रिड में सप्ताह में सिखाए गए लक्षित वर्णों/ अक्षरों को लिया जाता है। इसमें दिए वर्णों / अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाए भी जा सकते हैं।

ग	मा	ला	मु
अ	म	जा	क
दी	वा	ल	हा
दा	वी	क	स

अक्रमिक ग्रिड

सामग्री : कार्ड शीट (कोई भी रंग की) स्केल, पेंसिल, स्केच पेन, कैंची, चॉक, ब्लैक बोर्ड

बनाने का तरीका :

- ग्रिड कार्ड बनाने के लिए कार्ड शीट लें और उसे एक बड़े चौकोर आकार में काट लें।
- कार्ड शीट पर स्केल की मदद से (4 x 2) या (3 x 3 या 4 x 4) के खाने बनाएँ।
- कार्ड शीट पर वर्णों/अक्षरों को बड़े आकार में (वर्ण/अक्षर को एक– एक खाने में) लिख लें।
- वर्ण/अक्षर का आकार इतना बड़ा हो कि दूर बैठा बच्चा भी उसे पढ़ सके।

ध्यान रखें :

बच्चों द्वारा उस सप्ताह तक सीखे गए वर्णों/अक्षरों / मात्राओं को ही इस्तेमाल में लें।

ग्रिड बोर्ड पर भी बनाई जा सकती हैं।

9.1.2 बिग बुक बनाने का तरीका

बिग बुक बड़े-बड़े चित्रों और शब्दों में लिखी रंगीन कहानी की किताब है, जिसके चित्र और शब्द दूर से ही दिख जाते हैं। उस बिग बुक को कक्षा-कक्ष में बातचीत के समय विस्तार से निम्न उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जा सकता है।

- पढ़कर सुनाना और चर्चा
- साझा पठन (शिक्षक और बच्चों का साथ-साथ पढ़ना)
- लोगोग्राफिक पठन
- स्वतंत्र पठन

कहानी का चयन

- कहानी छोटी, रोचक और सरल हो।
- कहानी में परिचित संदर्भ और पात्र हो और पात्रों की संख्या 2 से 3 ही हों।
- कहानी 8-10 सरल वाक्यों वाली हो।
- अर्थ के मामले में सरल और परिचित शब्दों का इस्तेमाल किया गया हो।

चित्र

- ऐसी किताब का चयन करें जिसके चित्र बड़े और रंगीन हो।
- प्रत्येक पृष्ठ पर एक चित्र हो।
- चित्र बच्चों के लिए स्पष्ट और रोचक हो।
- चित्र का जुड़ाव पाठ से और उस पृष्ठ पर दिए गए वाक्य से हो, जिससे पाठ पर आसानी से समझ बन पाए।
- चित्र और कहानी समावेशी प्रवृत्ति के हो।

ध्यान रखें: चित्र को पेज में ऊपर/नीचे की तरफ लगाना है और शब्दों के लिए भी यही प्रक्रिया अपनाना है। कहानी की ऐसी किताब अगर नहीं मिलती है तो आप पुस्तकालय से ऐसी कहानी की किताब खोज लें और कहानी बोर्ड या चार्ट पर लिख कर कार्य करें। बिग बुक बनाते समय शब्दों का आकार इतना बड़ा हो कि 9-10 मीटर की दूरी से भी अच्छी तरह से दिखाई दे और सहजता से पढ़ा जा सके।

एक कहानी का नमूना:

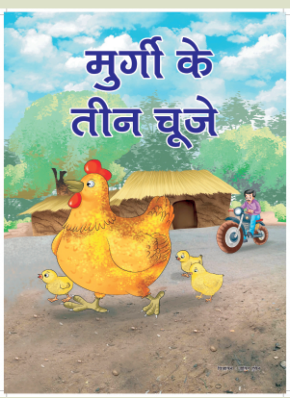

कवर पृष्ठ

पृष्ठ 1

पृष्ठ 2

पृष्ठ 3

पृष्ठ 4

पृष्ठ 5

पृष्ठ 6

पृष्ठ 7

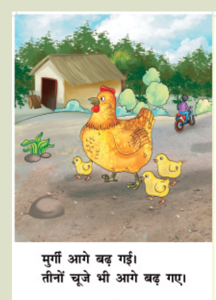

पृष्ठ 8

◀ **बिग बुक का एक उदाहरण देखने व पढ़ने के लिए QR कोड का प्रयोग करें।**

9.1.3 शब्द दीवार/शब्द चार्ट बनाने का तरीका

शब्दों या वाक्यों का समूह जिन्हें चार्ट/कार्ड/ब्लैक बोर्ड पर बड़े अक्षरों में लिखकर कक्षा-कक्ष की दीवारों पर लगाया जाता है। जिसका उपयोग बच्चे पढ़ना सीखने की प्रक्रिया में करते हैं। भाषा शिक्षण के दौरान पढ़ने की विभिन्न गतिविधियों में शब्द दीवार का उपयोग कर सकते हैं।

सामग्री :

- कार्ड / चार्ट शीट, बोल्ड मार्कर/ स्केच पेन/ चॉक
- 20 से 25 शब्दों / वाक्यांशों /वाक्यों की सूची

बनाने का तरीका :

- बोर्ड या बड़े चार्ट पेपर पर बड़े-बड़े अक्षरों में चुने गए शब्द/वाक्यांश/वाक्य लिखें।
- चार्ट पेपर पर लिखे शब्दों /वाक्यांशों /वाक्यों को कक्षा की दीवार पर उस जगह चिपका दें। जहाँ बच्चों की पहुँच हो और बच्चों द्वारा आसानी से देखा और पढ़ा जा सकें।

ध्यान रखें :

- शब्द /वाक्यांश /वाक्य बच्चों के स्तर अनुसार हो।
- इन शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों का चयन आप पाठ्यपुस्तक/अभ्यास पुस्तिका/कविता/कहानी आदि से कर सकते हैं।
- पाठ्यपुस्तक/अभ्यास पुस्तिका मे से सप्ताहवार आए पाठों से ही शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों का चयन करें।

पंखा चरखा बंदर रोटी
बाँट दौड़ अजगर अखबार
मेहनत पिंजरा प्याज कैंची

रहमत के पास एक कैंची थी
राधा को झूला झूलना बहुत पसंद था
पतंग आसमान में लहरा रही थी।
गुड़िया तब गाना सुना रही थी।

9.1.4 वर्ण/अक्षर कार्ड बनाने का तरीका

कक्षा-कक्ष में वर्ण/अक्षर पहचान के लिए वर्ण/अक्षर कार्ड की गतिविधि होती है। यह गतिविधि खेल-खेल में कराई जाती है। जिसमें बच्चे वर्णों/अक्षरों के साथ चित्रात्मक सामंजस्य बिठा पाते हैं।

ना	आ
क	ग

सामग्री: कार्ड, स्केल, पेंसिल, स्केच पेन, कैंची, चॉक, ब्लैक बोर्ड

बनाने का तरीका : वर्ण कार्ड बनाने के लिए शीट पर स्केल से (3 x 3 या 4 x 4) के खाने बनाएँ और काट लें। कार्ड शीट पर वर्णों/ अक्षरों को स्केच पेन से बड़े आकार में (एक खाने में एक वर्ण) लिख लें।

ध्यान रखें : बच्चों द्वारा उस सप्ताह सीखे गए वर्णों/ अक्षरों को ही लें यह गतिविधि बोर्ड पर भी की जा सकती है।

9.1.5 चित्र चार्ट बनाने का तरीका

यदि आपकी कक्षा में चित्र चार्ट उपलब्ध हैं, तो आप उन्हीं चार्ट का इस्तेमाल करें अन्यथा चित्र पर चर्चा के लिए निम्न प्रकार से चित्र की व्यवस्था करें।

- कक्षा के बाहर बच्चों को ले जाएँ और आस-पास दिखाई देने वाली चीज़ों पर चर्चा करें।
- चित्र चार्ट के लिए पाठ्यपुस्तक/ पुस्तकालय की किताबों से बड़े आकार के चित्र खोज कर चर्चा करें।
- चार्ट पेपर पर एक बड़ा-सा सघन चित्र बनाएँ, जिसमें कई प्रकार की गतिविधियाँ होती दिख रही हों। जैसे- किसी मेला का चित्र, पार्क का चित्र, होली खेलते बच्चे और उसके आस-पास का चित्र आदि।

10. साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा

10.1 साप्ताहिक शिक्षण योजना (सप्ताह 1 से 6 तक)

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
पाठ्यपुस्तक पर कार्य, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30-35 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
	चित्र चार्ट पर कार्य एवं लेखन					✓	
	सृजनात्मक कार्य एवं मौखिक खेल गतिविधियाँ						✓
अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (35-40 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका पर कार्य (वर्ण, अक्षर एवं शब्द पहचान)	✓	✓	✓	✓		
	पुनरावृत्ति एवं आकलन					✓	✓
पठन (10-15 मिनट)	बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा	✓	✓	✓	✓		
	स्वतंत्र पठन					✓	✓

10.2 साप्ताहिक शिक्षण योजना (सप्ताह 7 से 26 तक)

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
पाठ्यपुस्तक पर कार्य, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30-35 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
	चित्र पर कार्य / अनुभव / अभिनय					✓	
	सृजनात्मक एवं मौखिक खेल गतिविधियाँ						✓
अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (35-40 मिनट)	पाठ आधारित पठन लेखन कार्य	✓	✓	✓	✓		
	पुनरावृत्ति एवं आकलन					✓	✓
पठन (10-15 मिनट)	प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास और आकलन	✓	✓	✓	✓		
	स्वतंत्र पठन					✓	✓

11. साप्ताहिक व दिवसवार योजना

कक्षा–2 में 26 सप्ताह की शिक्षण कार्य योजना यहाँ दी गई है, जिसको साप्ताहिक व दिवसवार योजना के रूप में विभाजित किया गया है। दैनिक शिक्षण कार्य तीन अलग–अलग खंड में होगा। प्रत्येक खण्ड की प्रस्तावित गतिविधियों पर कैसे काम करना है, से संबंधित दिशा–निर्देश संदर्शिका में दिए गए हैं। शिक्षक प्रत्येक दिन की कार्य योजना पूरी होने के बाद ट्रैकर वाले कॉलम में अपने हस्ताक्षर करके दिनाँक लिखें।

सप्ताह–1				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30–35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35–40 मिनट	पठन 10–15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–1 'तितली और कली' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• वर्ण/अक्षर पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • अभ्यास पुस्तिका पाठ–1 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☑ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–1 'तितली और कली' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और समझ आधारित चर्चा)	• वर्ण/अक्षर पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • अभ्यास पुस्तिका पाठ–2 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–1 'तितली और कली' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन, पाठ आधारित गतिविधियाँ: अंदाज़ा लगाओ, मिलते–जुलते शब्द बनाओ, महके सारी गली–गली)	• वर्ण/अक्षर पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ–3 पर कार्य	• साझा पठन – बिग बुक	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–1 'तितली और कली' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: तुम्हारी बात, रंग–बिरंगी)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ–4 पर कार्य	• लोगोग्राफिक पठन – बिग बुक	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य और लेखन	• अभ्यास पुस्तिका पाठ–5 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन (पुस्तकालय की किताबें)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह–1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह–2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका/पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

* यदि कक्षा में ग्रिड उपलब्ध नहीं है, तो योजना अनुसार ग्रिड बनाए (देखें पृष्ठ संख्या 14) और कार्य करें।

सप्ताह-2				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'गुड़िया रानी की शादी' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-6 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'गुड़िया रानी की शादी' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और समझ आधारित चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-7 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'गुड़िया रानी की शादी' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन, पाठ आधारित गतिविधियाँ: 1, 2, 3 और 4)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-8 पर कार्य	• साझा पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'गुड़िया रानी की शादी' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: 5, 6 और 7)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-9 पर कार्य	• लोगोग्राफिक पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य और लेखन	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-10 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन (पुस्तकालय की किताबें)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका/ पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य करने का तरीका शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 55, 56 पर दिया गया है।

सप्ताह-3				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'कौन बोला म्याऊँ' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-11 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'कौन बोला म्याऊँ' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और समझ आधारित चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-12 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'कौन बोला म्याऊँ' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन, पाठ आधारित गतिविधियाँ: 1, 2, 3 और 4)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-13 पर कार्य	• साझा पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'कौन बोला म्याऊँ' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: 5, 6 और 7)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-14 पर कार्य	• लोगोग्राफिक पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-15 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन (पुस्तकालय की किताबें)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका/ पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

• मौखिक खेल गतिविधियों के लिए शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ सं. 50, 51 को देखें।

सप्ताह-4				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'भालू ने खेली फुटबॉल' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-16 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'भालू ने खेली फुटबॉल' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और समझ आधारित चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-17 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'भालू ने खेली फुटबॉल' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन, पाठ आधारित गतिविधियाँ: 1, 2, 3, 4 और 5)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-18 पर कार्य	• साझा पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'भालू ने खेली फुटबॉल' पर कार्य (पाठ पर समझ आधारित गतिविधियाँ: 6, 7, 8 और 9)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-19 पर कार्य	• लोगोग्राफिक पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-20 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन (पुस्तकालय की किताबें)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका/ पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• चित्र पर कार्य करने का तरीका शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ सं. 52 पर दिया गया है।

सप्ताह-5				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'चालाक चीकू' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-21 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☑ .... हस्ताक्षर --/--/----
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'चालाक चीकू' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और समझ आधारित चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-22 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☑ .... हस्ताक्षर --/--/----
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'चालाक चीकू' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ : अभ्यास 1, 2, 3 और 4 पर कार्य)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-23 पर कार्य	• साझा पठन - बिग बुक	☑ .... हस्ताक्षर --/--/----
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ 5 'चालाक चीकू' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ : अभ्यास 5, 6 और 7 पर कार्य)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-24 पर कार्य	• लोगोग्राफिक पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर .... dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-25 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन (पुस्तकालय की किताबें)	☐ हस्ताक्षर .... dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका/ पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर .... dd/mm/yyyy

• यदि कक्षा में बिग बुक उपलब्ध नहीं है, तो योजना अनुसार बिग बुक बनाएँ (देखे पृष्ठ सं. 15) और कार्य करें।

सप्ताह-6				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'चींटी और हाथी' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-26 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'चींटी और हाथी' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और समझ आधारित चर्चा)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-27 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'चींटी और हाथी' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: अभ्यास 1, 2, 3, 4 और 5)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-28 पर कार्य	• साझा पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'चींटी और हाथी' पर कार्य (पाठ आधारित गतिविधियाँ-अभ्यास 6, 7, 8 और 9)	• वर्ण/अक्षर/शब्द पर कार्य • डिकोडिंग खेल गतिविधियाँ • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पाठ-29 पर कार्य	• लोगोग्राफिक पठन - बिग बुक	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-30 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन (पुस्तकालय की किताबें)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका/ पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य के लिए देखें पृष्ठ सं. 46-48

सप्ताह-7				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'एकता का बल' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-31 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 1 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'एकता का बल' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और समझ आधारित चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-32 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 2 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'एकता का बल' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: अभ्यास 1, 2, 3, 4 और 5)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-33 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 3 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'एकता का बल' पर कार्य (पाठ आधारित गतिविधियाँ- 6, 7, 8 और 9)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-34 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 4 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-35 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन)	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य		

• अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर कार्य के लिए देखें पृष्ठ सं. 57.

सप्ताह-8

दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30-35 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (35-40 मिनट)	पठन (10-15 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'कौन?' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-36 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 5 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'कौन?' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-37 पर कार्य – आदर्श पठन – स्वतंत्र पठन – पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 6 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'कौन?' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: अभ्यास 1, 2 और 3)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-38 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 7 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'कौन?' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ-अभ्यास 4 और 5)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-39 पर कार्य – आदर्श पठन – स्वतंत्र पठन – पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 8 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • अनुभव पर चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-40 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन)	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य		

• प्रवाहपूर्ण पठन के पाठों पर कार्य के लिए देखें पृष्ठ सं. 60-61

सप्ताह-9				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'मिट्टी' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-41 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 9 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'मिट्टी' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-42 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 10 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'मिट्टी' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित अभ्यास: 1, 2 और 3)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-43 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 11 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'मिट्टी' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ-अभ्यास 4 और 5)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-44 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 12 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-45 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• अभिनय पर कार्य का तरीका पृष्ठ सं. 54 पर दिया गया है।

सप्ताह-10				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बहुत हुआ' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-46 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 13 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बहुत हुआ' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-47 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 14 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बहुत हुआ' पर कार्य (मार्गदर्शन पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: अभ्यास 1,2,3,4 और 5)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-48 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 15 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बहुत हुआ' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ-अभ्यास 6,7,8 और 9)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-49 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 16 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-50 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

<table>
<tr><th colspan="5">सप्ताह-11</th></tr>
<tr><th>दिन</th><th>पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट</th><th>अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट</th><th>पठन 10-15 मिनट</th><th>ट्रैकर</th></tr>
<tr><td>1</td><td>• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन)
• पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 ‘मड़ई-मेला’ पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)</td><td>• अभ्यास पुस्तिका पाठ-51 पर कार्य
- शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा
- पठन आधारित लेखन</td><td>• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 17 पर कार्य</td><td>☐ हस्ताक्षर
----
dd/mm/yyyy</td></tr>
<tr><td>2</td><td>• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन)
• पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 ‘मड़ई-मेला’ पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)</td><td>• अभ्यास पुस्तिका पाठ-52 पर कार्य
- आदर्श पठन
- स्वतंत्र पठन
- पठन आधारित लेखन</td><td>• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 18 पर कार्य</td><td>☐ हस्ताक्षर
----
dd/mm/yyyy</td></tr>
<tr><td>3</td><td>• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन)
• पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 ‘मड़ई-मेला’ पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: अभ्यास 1, 2, 3, 4 और 5)</td><td>• अभ्यास पुस्तिका पाठ-53 पर कार्य
- शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा
- पठन आधारित लेखन</td><td>• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 19 पर कार्य</td><td>☐ हस्ताक्षर
----
dd/mm/yyyy</td></tr>
<tr><td>4</td><td>• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन)
• पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 ‘मड़ई-मेला’ पर कार्य (साझा पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ-अभ्यास 6, 7, 8, 9 और 10)</td><td>• अभ्यास पुस्तिका पाठ-54 पर कार्य
- आदर्श पठन
- स्वतंत्र पठन
- पठन आधारित लेखन</td><td>• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 20 पर कार्य</td><td>☐ हस्ताक्षर
----
dd/mm/yyyy</td></tr>
<tr><td>5</td><td>• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन)
• अनुभव पर चर्चा</td><td>• अभ्यास पुस्तिका पाठ-55 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)</td><td>• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य</td><td>☐ हस्ताक्षर
----
dd/mm/yyyy</td></tr>
<tr><td rowspan="2">6</td><td rowspan="2">• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन)
• सृजनात्मक गतिविधि</td><td>• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन)</td><td>• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से</td><td rowspan="2">☐ हस्ताक्षर
----
dd/mm/yyyy</td></tr>
<tr><td colspan="2">• समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य</td></tr>
<tr><td colspan="5">• अनुभव पर चर्चा का तरीका पृष्ठ सं. 53 पर दिया गया है।</td></tr>
</table>

सप्ताह-12				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'ऊँट चला' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-56 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 21 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'ऊँट चला' पर कार्य (हिंदी में पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-57 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 22 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'ऊँट चला' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ: अभ्यास 1, 2, 3 और 4)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-58 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 23 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'ऊँट चला' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ-अभ्यास 5, 6 और 7)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-59 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 24 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-60 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• बालगीत/कविता (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-13				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
		आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति		
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-4 'भालू ने खेली फुटबॉल' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-4 'भालू ने खेली फुटबॉल' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-6 'चींटी और हाथी' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-6 'चींटी और हाथी' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • चित्र पर कार्य एवं लेखन	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • सृजनात्मक गतिविधि	मैंने सीख लिया		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

- इस सप्ताह में पाठ्यपुस्तक की पाठ संख्या 4 और 6 पर दो-दो दिन कार्य किया जाएगा, जिनमें पाठ सुनाना, चर्चा करना और अभ्यास कार्य शामिल हैं।
- इस सप्ताह में अभ्यास पुस्तिका से पुनरावृत्ति अभ्यास कार्य करवाएँ।
- पुनरावृत्ति एवं आकलन का तरीका के लिए पृष्ठ सं. 63-66 देखें।

सप्ताह-14				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 'आई एक खबर' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-61 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 25 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 'आई एक खबर' पर कार्य (हिंदी में पाठ को पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-62 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 26 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 'आई एक खबर' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ-1, 2, 3 और 4 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-63 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 27 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 'आई एक खबर' पर कार्य (पाठ आधारित गतिविधियाँ-5, 6 और 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-64 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 28 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-65 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) •समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• कविता/बालगीत के लिए स्थानीय कविता, बालगीत, लोकगान का इस्तेमाल करें।

सप्ताह-15				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पाठ-14 'चूहे को मिली पेंसिल' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-66 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 29 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पाठ-14 'चूहे को मिली पेंसिल' पर कार्य (हिंदी में पाठ को पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-67 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 30 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पाठ-14 'चूहे को मिली पेंसिल' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- 1, 2 और 3 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-68 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 31 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पाठ-14 'चूहे को मिली पेंसिल' पर कार्य (पाठ आधारित गतिविधियाँ- 4, 5, 6 और 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-69 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 32 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पाठ-70 पर कार्य (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • सृजनात्मक गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) •समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-16				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-15 'धूप' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-71 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 33 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-15 'धूप' पर कार्य (हिंदी में पाठ को पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-72 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 34 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-15 'धूप' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- 1, 2 और 5 गतिविधि पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-73 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 35 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-15 'धूप' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- 3, 4 और 6 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-74 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 36 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-75 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-17				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-16 'छोटे-छोटे कदम' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-76 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 37 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-16 'छोटे-छोटे कदम' पर कार्य (हिंदी में पाठ को पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-77 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 38 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-16 'छोटे-छोटे कदम' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- अभ्यास 1, 2, 3 और 8 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-78 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 39 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-16 'छोटे-छोटे कदम' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- अभ्यास 4, 5, 6 और 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-79 पर कार्य - आदर्श पठन - स्वतंत्र पठन - पठन आधारित लेखन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 40 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-80 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-18				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-17 'चित्रकोट जलप्रपात' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-81 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 41 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-17 'चित्रकोट जलप्रपात' पर कार्य (हिंदी में पाठ को पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-82 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 42 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-17 'चित्रकोट जलप्रपात' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- 1, 2, 3 और 5 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-83 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 43 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-17 'चित्रकोट जलप्रपात' पर कार्य (पाठ आधारित गतिविधियाँ- 4, 6, 7, 8 और 9 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-84 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 44 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-85 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-19				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-18 'क्या है उसका नाम?' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-86 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 45 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-18 'क्या है उसका नाम?' पर कार्य (हिंदी में पाठ को पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-87 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 46 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-18 'क्या है उसका नाम?' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- 1, 2, 5 और 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-88 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 47 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-18 'क्या है उसका नाम?' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- 3, 4 और 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-89 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 48 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-90 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-20				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
		आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति		
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-12 'ऊँट चला' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-12 'ऊँट चला' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-13 'आई एक खबर' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-13 'आई एक खबर' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • मौखिक खेल गतिविधि	मैंने सीख लिया		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

* इस सप्ताह में पाठ्यपुस्तक की पाठ संख्या 12 और 13 पर दो-दो दिन कार्य किया जाएगा, जिनमें पाठ सुनाना, चर्चा करना और अभ्यास कार्य शामिल हैं।

* इस सप्ताह में अभ्यास पुस्तिका से पुनरावृत्ति अभ्यास कार्य करवाएँ।

सप्ताह-21				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-19 'साहसी बनो' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-91 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 49 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-19 'साहसी बनो' पर कार्य (हिंदी में पाठ को पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-92 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 50 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-19 'साहसी बनो' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ- 1 और 2 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-93 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 51 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-19 'साहसी बनो' पर कार्य (पाठ आधारित गतिविधियाँ- 3 और 4 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-94 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 52 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-95 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-22				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: यातायात सिग्नल पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-96 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 53 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: यातायात सिग्नल पर कार्य (हिंदी में पाठ को पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-97 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 54 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-9 'मिट्टी' पर कार्य (मार्गदर्शन पठन और पठन आधारित गतिविधियाँ)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-98 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 55 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-9 'मिट्टी' पर कार्य (स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-99 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 95 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-100 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

* इस सप्ताह में प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के चौथे दिन अभ्यास पुस्तिका के पाठ 95 से पठन अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह-23				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-10 'बहुत हुआ' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-101 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 56 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-10 'बहुत हुआ' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-102 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 57 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-11 'मड़ई मेला' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-103 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) से पठन अभ्यास 58 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-11 'मड़ई मेला' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-104 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 96 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-105 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

* इस सप्ताह में पाठ्यपुस्तक की पाठ संख्या 10 और 11 पर दो-दो दिन कार्य किया जाएगा, जिनमें पाठ सुनाना, चर्चा करना और अभ्यास कार्य शामिल हैं।

* इस सप्ताह में प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के चौथे दिन अभ्यास पुस्तिका के पाठ 96 से पठन अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह-24				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-14 'चूहे की मिली पेंसिल' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-106 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 101 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-14 'चूहे की मिली पेंसिल' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-107 पर कार्य - स्वतंत्र पठन - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 101 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-15 'धूप' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-108 पर कार्य - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 105 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-15 'धूप' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-109 पर कार्य - स्वतंत्र पठन - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 105 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-110 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

* इस सप्ताह में पाठ्यपुस्तक की पाठ संख्या 14 और 15 पर दो-दो दिन कार्य किया जाएगा, जिनमें पाठ सुनाना, चर्चा करना और अभ्यास कार्य शामिल हैं।

* इस सप्ताह में अभ्यास पुस्तिका के पाठों से प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह-25				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-16 'छोटे-छोटे कदम' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-111 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 103 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-16 'छोटे-छोटे कदम' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-112 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 103 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-17 'चित्रकोट जलप्रपात' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-113 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 106 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-17 'चित्रकोट जलप्रपात' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-114 पर कार्य – स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास: अभ्यास पुस्तिका के पाठ 106 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • चित्र पर कार्य एवं लेखन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-115 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खण्ड-2) के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

* इस सप्ताह में पाठ्यपुस्तक की पाठ संख्या 16 और 17 पर दो-दो दिन कार्य किया जाएगा, जिनमें पाठ सुनाना, चर्चा करना और अभ्यास कार्य शामिल हैं।

* इस सप्ताह में अभ्यास पुस्तिका पाठों से प्रवाहपुर्ण पठन अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह-26				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
		आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति		
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-18 'क्या है उसका नाम?' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-18 'क्या है उसका नाम?' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-19 'साहसी बनो' पर कार्य (शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन पठन)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-19 'साहसी बनो' पर कार्य (बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • मौखिक खेल गतिविधि	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

* इस सप्ताह में पाठ्यपुस्तक की पाठ संख्या 18 और 19 पर दो-दो दिन कार्य किया जाएगा, जिनमें पाठ सुनाना, चर्चा करना और अभ्यास कार्य शामिल हैं।

* इस सप्ताह में अभ्यास पुस्तिका से पुनरावृत्ति अभ्यास कार्य करवाएँ।

12. कक्षा-2 की गतिविधियों पर कैसे कार्य करें?

इस संदर्शिका में साप्ताहिक और दिवसवार योजना की गतिविधियों का विस्तृत विवरण है, जिसे इस प्रकार रखा गया है-

मौखिक भाषा विकास और संबंधित लेखन की गतिविधियाँ	पृष्ठ 45 से 54
डिकोडिंग और संबंधित लेखन की गतिविधियाँ	पृष्ठ 54 से 57
पठन गतिविधियाँ	पृष्ठ 58 से 62

गतिविधियों को कक्षा में प्रभावी रूप से करवाने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखें-

प्रत्येक गतिविधि करवाने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। शिक्षक कक्षा में गतिविधि करवाने के इन चरणों को पढ़कर समझ लें। आप इसको आधार बनाकर अपनी नई शिक्षण योजना तैयार कर सकते हैं।

- शिक्षक दिवसवार योजना को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें तथा जिस गतिविधि को आपने कक्षा में करवाना है, उस गतिविधि के लिए दी गई शिक्षण योजना एवं गतिविधियों के चरणों को समझते हुए आवश्यक पूर्व तैयारी कर लें।
- किसी गतिविधि को नए विषयवस्तु के साथ कक्षा में करने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। इन चरणों को आधार बनाकर आप इस गतिविधि को आगे कक्षा में करवाएँ।
- शिक्षण योजना में गतिविधि/दिवस के लिए एक अधिगम उद्देश्य निर्धारित है।
- गतिविधियों को करवाते समय तथा करवाने के बाद अनौपचारिक आकलन के द्वारा बच्चों के सीखने की स्थिति जाँचें और अपनी शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा करें। समय-समय पर समीक्षा के आधार पर शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव करें।
- शिक्षक स्वयं भी अलग-अलग विषयवस्तु और दक्षताओं के लिए शिक्षण योजना का निर्माण करके लागू कर सकते हैं। शिक्षक अपनी शिक्षण योजना बनाने के लिए दिए गए शिक्षण योजना के उदाहरणों को आधार बना सकते हैं।

12.1 पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ

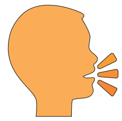

मौखिक भाषा विकास

1 से 6 सप्ताह (30 से 35 मिनट)

- कविताएँ गाना (प्रतिदिन)
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य (4 दिन)

- चित्र पर कार्य एवं लेखन
- सृजनात्मक कार्य
- मौखिक खेल गतिविधियाँ

7 से 26 सप्ताह (30 से 35 मिनट)

- कविताएँ गाना (प्रतिदिन)
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य (4 दिन)

- चित्र पर कार्य एवं लेखन/ अनुभव/ अभिनय
- सृजनात्मक कार्य
- मौखिक खेल गतिविधियाँ

योजना अनुसार इनमें से कोई 1 गतिविधि पाँचवे-छठे दिन

12.1.1 कविता पर कार्य

सामग्री: तरिया के दरपन, कविता पोस्टर, पाठ्यपुस्तक से बाल कविता संकलन की किताबें।

5-7 मिनट

इस गतिविधि के लिए पाठ्यपुस्तक, कविता पोस्टर और 'तरिया के दरपन' से कोई भी कविता ली जा सकती है। आप स्थानीय कविताओं को भी शामिल करें। प्रतिदिन एक कविता पर कार्य करें। शुरुआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं का चयन करें। कविताओं पर कार्य करने के लिए नीचे दिए गए क्रम के आधार पर कार्य करें-

1. शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ।
2. शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
3. ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
4. सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने को कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी हुई कविता उनसे सुनें।

12.1.2 पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य

सामग्री: पाठ्यपुस्तक

20-25 मिनट

कक्षा-2 के पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य करने के लिए एक रणनीति बनाकर कार्य करने की योजना है। प्रत्येक पाठ पर चार दिन तक कार्य किया जाएगा। इस दौरान बच्चों को पाठ पढ़कर सुनाने, उस पर समझ बढ़ाने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे- तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि कार्य) और समझ आधारित लेखन के मौके दिए जाएँगे।

पाठ्यपुस्तक के पाठों को उनकी प्रकृति और बच्चों के पठन स्तर को ध्यान में रखते हुए दो हिस्सों में बाँटा गया। पहले भाग में वो पाठ हैं, जो छोटे हैं और बच्चों के पठन स्तर के अनुसार हैं। दूसरे भाग में वो पाठ हैं, जो थोड़े बड़े हैं और बच्चों को पढ़ने के स्तर के मुकाबले थोड़े जटिल हैं। दोनों ही प्रकार के पाठों पर कार्य की योजना अलग है, जिसका विवरण नीचे दिया जा रहा है।

प्रत्येक पाठ पर कार्य करने की चार दिन की योजना निम्न प्रकार है:

पाठ्यपुस्तक के पाठ 1, 2, 3, 5, 8, 9, 10, 12, 15, 16, 18 और 20 पर कार्य योजना I

पाठ 1 : तितली और कली	पाठ 2 : गुड़िया रानी की शादी	पाठ 3 : कौन बोला म्याऊँ
पाठ 5 : चालाक चीकू	पाठ 8 : कौन	पाठ 9 : मिट्टी
पाठ 10 : बहुत हुआ	पाठ 12 : ऊँट चला	पाठ 15 : धूप
पाठ 16 : छोटे-छोटे कदम	पाठ 18 : क्या है उसका नाम	पाठ 20 : यातायात

पहला दिन: बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा — 20-25 मिनट

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को बच्चों की भाषा में हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद समझ के लिए बच्चों से हिंदी और बच्चों की भाषा में सामान्य चर्चा करें।

दूसरा दिन: हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा — 20-25 मिनट

- पाठ को हिंदी भाषा में हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ के बाद बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गई अभ्यास गतिविधियाँ करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

तीसरा दिन: पाठ आधारित गतिविधियाँ

20-25 मिनट

- पाठ को एक बार फिर से हिंदी में पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों को जोड़ियों में पाठ पढ़ने के लिए कहें और आवश्यकतानुसार बच्चों की मदद करें। (मार्गदर्शन में पठन के लिए निर्धारित चरणों का अनुसरण करें।)
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गई अभ्यास गतिविधियाँ करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

चौथा दिन: स्वतंत्र पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ

20-25 मिनट

- बच्चों से पाठ का स्वतंत्र पठन करवाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- बच्चों से पाठ पर समझ आधारित गतिविधि करवाएँ। (जैसे- अभिनय करवाना, कहानी के मुख्य भाग को पहचानना, कहानी का अंत बदलना, कहानी में नए पात्रों को जोड़कर नई कहानी बनाना, इत्यादि।)
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गई अभ्यास गतिविधियाँ करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

नोट: शिक्षक पाठ की प्रकृति के अनुसार अपनी योजना में बदलाव कर सकते हैं।

पाठ्यपुस्तक के पाठ 4, 6, 7, 11, 13, 14, 17 और 19 पर कार्य योजना II

पाठ 4 : भालू ने खेली फुटबॉल	पाठ 6 : चींटी और हाथी	पाठ 7 : एकता का बल
पाठ 11 : मड़ई-मेला	पाठ 13 : आई एक खबर	पाठ 14 : चूहे को मिली पेंसिल
पाठ 17 : चित्रकोट जलप्रपात	पाठ 19 : साहसी बनो	

पहला दिन: बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा

20-25 मिनट

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को बच्चों की भाषा में हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद समझ के लिए बच्चों से हिंदी और बच्चों की भाषा में सामान्य चर्चा करें।

दूसरा दिन: हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा

20-25 मिनट

- पाठ को हिंदी भाषा में हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ के बाद बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गई अभ्यास गतिविधियाँ करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

तीसरा दिन: मार्गदर्शन में पठन और पाठ आधारित गतिविधियाँ

20-25 मिनट

- पाठ को एक बार मौखिक रूप से सुनाएँ।
- 3-4 बच्चों को कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं अभ्यास गतिविधियाँ करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

चौथा दिन: पाठ आधारित गतिविधियाँ

समय 20-25 मिनट

- बच्चों से पाठ पर समझ आधारित गतिविधि करवाएँ। (जैसे- अभिनय करवाना, कहानी के मुख्य भाग को पहचानना, कहानी का अंत बदलना, कहानी में नए पात्रों को जोड़कर नई कहानी बनाना, इत्यादि।)
- बच्चों से पाठ के आधार पर अभिव्यक्ति के लिए लेखन कार्य करवाएँ। (जैसे- अनुभव लिखवाना, मुख्य घटना पर अपनी राय लिखना, मनपसंद पात्रों के बारे में लिखना, इत्यादि।)
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं अभ्यास गतिविधियाँ करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

नोट: शिक्षक पाठ की प्रकृति के अनुसार अपनी योजना में बदलाव कर सकते हैं।

12.1.3 सृजनात्मक कार्य

समय 20-25 मिनट

सामग्री: चार्ट पेपर, पेंसिल, रंग, कैंची आदि।

कक्षा-2 में बच्चों के लिए कई ऐसी मौखिक सृजनात्मक गतिविधियाँ प्रस्तावित की गई हैं, जो उन्हें समूह बनाकर करनी हैं। ऐसी गतिविधियाँ बच्चों को सोचने, अपने अनुभवों को साझा करने, आपस में तर्क करने, नई रचना करने, विश्लेषण करने, निष्कर्ष निकालने और समस्या का हल निकालने जैसे उच्च स्तरीय कौशलों को विकसित करने के मौके उपलब्ध कराएँगी।

सृजनात्मक कार्य की गतिविधियाँ

1. कक्षा का मानचित्र

10 मिनट में समूह में कार्य होगा और प्रस्तुति के लिए हर समूह को 1-2 मिनट का समय दिया जाएगा।

हर समूह के लिए एक पेपर और लेखन सामग्री

- शिक्षक बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें और हर समूह को बैठने के लिए एक निर्धारित जगह दें।
- हर समूह को अपनी जगह से कक्षा का मानचित्र बनाना होगा। साथ ही साथ, शब्दों में उस मानचित्र के निर्देश लिखने को कहें।
- उदाहरण- शिक्षक बोर्ड पर मानचित्र बनाकर एक उदाहरण देकर समझाएँ।
- समूह में कार्य करने के बाद शिक्षक बारी-बारी से हर समूह को कक्षा में प्रस्तुति के लिए आगे बुलाएँ।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students work corner) में लगा दें।

2. सूची बनाना

7-10 मिनट में समूह में कार्य होगा और प्रस्तुति के लिए हर समूह को 2 मिनट का समय दें।

हर समूह के लिए एक पेपर और लेखन सामग्री

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को अपने परिवेश में से जानवरों एवं पक्षियों, सब्ज़ियों एवं फूलों, रसोईघर के बर्तनों एवं मसालों आदि के नाम की सूची 2 अलग-अलग खानों में लिखने को कहें। बच्चे जितने चाहें, उतने नामों की सूची बना सकते हैं।
- इस कार्य को करने के लिए 7-10 मिनट लगेंगे और फिर प्रस्तुति के समय हर समूह को जानवरों के नाम के साथ-साथ उसकी आवाज़ निकालने को कहें।
- गतिविधि के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' में लगा दें।

3. किताब से शब्द छाँटो

कहानी की किताब — 20 मिनट

- शिक्षक कक्षा को चार समूहों में बाँटें और सभी समूह को एक-एक कहानी की किताब दें।
- शिक्षक सभी बच्चों को कहानी से 'कार्य शब्द' (जैसे- भागना, कूदना, हँसना इत्यादि) छाँट कर लिखने को कहें।
- शिक्षक, कार्य शब्द के संबंध में बच्चों से चर्चा करें और उदाहरण बच्चों को दें।
- शिक्षक बारी-बारी से सभी समूहों को अपने शब्द पढ़कर बताने और उनकी कुल संख्या बताने को कहें। अन्य समूह के बच्चों को निर्देश दें कि वे गौर करें कि बच्चों द्वारा पढ़े गए शब्द, कार्य शब्द हैं या नहीं।

4. शब्द अंताक्षरी

बच्चों के लिए पेपर एवं लेखन सामग्री — 7-10 मिनट

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को 2-3 पर्चे दें, जिनमें हिन्दी के एक-एक सरल शब्द लिखे हुए हों।
- सबसे पहले हर समूह में से कोई एक बच्चा अपनी मर्ज़ी से इनमें से एक पर्ची को उठाकर शब्द को पढ़ेगा। उसके दाईं तरफ वाले बच्चे को उस शब्द के आखिरी वर्ण की ध्वनि से नया शब्द बनाना है।
- कोई भी शब्द दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता। इस तरह, बारी-बारी से यह प्रक्रिया समूह में चलेगी। अगर कोई बच्चा शब्द नहीं बताता तो उसके बाद वाले बच्चे को बताना होगा। यह तब तक चलता रहेगा, जब तक सारे बच्चे किसी एक वर्ण पर आकर ना अटक जाएँ और आखिरी वर्ण से कोई नया शब्द ना बना पाएँ।
- इसके बाद सारे बच्चों को याद करके अंताक्षरी के पहले राउंड में आए हुए कम से कम 5 शब्दों को अपने पेपर पर लिखना होगा और समूह में साझा करना होगा।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद हर समूह के कार्य को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students work corner) में लगा दें।

शिक्षक इन गतिविधियों में से कुछ गतिविधियाँ बस्ता रहित दिवस में भी कराएँ।

12.1.4 मौखिक खेल गतिविधियाँ

समय

सामग्री: गतिविधियों के अनुसार अलग-अलग सामग्री

15-20 मिनट

इस चरण में हर एक सप्ताह छोड़कर अगले सप्ताह में मौखिक खेल गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा।

सामान्य चर्चा के लिए निम्नलिखित चरणों* का अनुसरण करें:

- शिक्षक पहले किसी एक विषय का चयन करें। ये विषय बच्चों के स्तर एवं परिवेश वाले हों।
- चयनित विषय पर बच्चों के साथ थोड़ी बातचीत करके उनके पूर्वज्ञान को सक्रिय करें।
- शिक्षक विषय से संबंधित अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।
- इसके बाद प्रत्येक बच्चे को अपने अनुभव सुनाने का अवसर दें। अगर कक्षा में ज़्यादा बच्चे हों तो कोशिश करें कि प्रत्येक सप्ताह में सभी बच्चों को अपने अनुभव साझा करने का सप्ताह में एक बार मौका ज़रूर मिले।

*प्रत्येक गतिविधि की प्रकृति अलग-अलग हो सकती है, ये कुछ सामान्य चरण हैं, जिन्हें बातचीत के दौरान काम में लें।

1. क्या अच्छा लगा

15-20 मिनट

कक्षा में अपनी भावनाएँ सामने रखना।

- बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और यह सुनिश्चित करें कि वे सहज महसूस कर रहे हों।
- कागज़ की एक गेंद या खिलौना जिसे बच्चे एक-दूसरे के पास बढ़ा सकें।

नोट- यह गतिविधि कक्षा में अंतिम समय पर करवाई जा सकती है।

- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद घेरे में घुमाएँगे। गेंद जिसके पास भी पहुँचेगी उसे बताना होगा कि कल उन्हें कौन-सी गतिविधि सबसे ज़्यादा अच्छी लगी। इस गतिविधि में सभी बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे।
- इस चर्चा की शुरुआत आप करें और बच्चों को बताएँ कि कल आपको सबसे अच्छी गतिविधि कौन-सी लगी थी? ध्यान रखें कि आप किसी बच्चे का नाम न लें और पूरी कक्षा को एक साथ संबोधित करें।
- सभी बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने के लिए मदद और मौका दें।
- सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सहज और सुरक्षित माहौल तैयार करें।

2. ग्रीटिंग कार्ड

15-20 मिनट

बच्चों में घनिष्ठता का भाव पैदा करना।

- कागज़ के पन्ने, पेंसिलें, क्रेयॉन/कलर पेंसिल/वैक्स कलर, स्कैच पेन, पेंट/रंग, बच्चों के नामों वाली पर्चियाँ

- बच्चों को बताएँ कि उन्हें अपने सहपाठियों के लिए ग्रीटिंग काड्र्स बनाने हैं। उन्हें उस सहपाठी के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाना है, जिसका नाम उनको मिली पर्ची पर लिखा है।
- बच्चों के बीच कागज़ की पर्चियाँ बाँट दें। हर बच्चे को एक पर्ची उठाने के लिए कहें।
- अब ग्रीटिंग काड्र्स बनाने के लिए ज़रूरी चीज़ें बाँट दें।
- बच्चों को उस साथी के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाने के लिए प्रोत्साहित करें, जिसका नाम उनकी पर्ची में आया है।
- ख्याल रखें कि सभी गतिविधि में हिस्सा लें और सभी को किसी-न-किसी का बनाया हुआ ग्रीटिंग कार्ड ज़रूर मिले।

3. आईना-आईना

15-20 मिनट

खेल-खेल में मनोरंजन करना।

- बच्चों को बताएँ कि आज उन्हें आईना (मिरर) गतिविधि करनी है। उन्हें अध्यापक की यानी आपकी सभी क्रियाओं की आईने में दिखने जैसी नकल करनी होगी। अगर आप अपना दाहिना हाथ उठाते हैं तो वे अपना बायाँ हाथ उठाएँगे। अगर आप दाहिनी तरफ चलते हैं तो उन्हें अपनी बायीं तरफ चलना होगा।
- बच्चों को उसी तरह नकल करनी होगी, जिस तरह आईने के सामने करने पर छवियाँ दिखाई देती हैं।
- पहले कुछ समय अभ्यास कराएँ। इसके लिए बच्चों के सामने कुछ सरल क्रियाएँ करें और उन्हें नकल करने के लिए कहें। अगर वे सही ढंग से नकल करते हैं तो आगे बढ़ें।
- जब बच्चे इस प्रक्रिया में अभ्यस्त हो जाएँ तो मनोरंजक हरकतें भी करें।
- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें। कोई भी छूटने ना पाए। बच्चों की सहभागिता के लिए एक सुरक्षित वातावरण मुहैया कराएँ।
- आपके स्थान पर क्रियाएँ करने के लिए किसी बच्चे को भी आगे आने का मौका दिया जा सकता है। ऐसी स्थिति में शेष बच्चे और अध्यापक आईने की भूमिका निभाएँगे।

4. आलसी बिल्ली

15-20 मिनट

बच्चों को स्कूल के प्रति अपनी भावनाओं के बारे में सोचने और उनको पहचानने में मदद देना

- बच्चों से कहें कि वे आलसी बिल्ली का अभिनय करें- एक ऐसी बिल्ली, जो देर तक गहरी नींद में सोने के बाद उठकर अंगड़ाई ले रही है।
  ▫ उन्हें लंबी उबासी लेने के लिए कहें। ▫ म्याऊँ-म्याऊँ करने के लिए कहें। ▫ अब उन्हें अपनी बाँह, टाँगें और पीठ फैलाने के लिए कहें। उन्हें धीरे-धीरे, बिल्ली की तरह अपना शरीर फैलाना है। इसके बाद आराम से बैठ जाएँ।
- अब उन्हें तकरीबन 10 सेकंड तक हवा में तैरते एक पंख का अभिनय करना है।
  - ▫ इसके बाद उन्हें अचानक बिना हिले एक मूर्ति में बदल जाना है। उन्हें कहें कि इसके बाद वे बिल्कुल ना हिलें।
  - ▫ प्रक्रिया को दोहराएँ और सुनिश्चित करें कि जब गतिविधि समाप्त हो तो बच्चे एक विश्रामपूर्ण अवस्था में उड़ते पंख की स्थिति में हों।

5. स्कूल में मेरी पसंद की चीज़ें

15-20 मिनट

बच्चे ड्राइंग के माध्यम से बताएँगे कि स्कूल में उन्हें कौन-कौन सी चीज़ें अच्छी लगती हैं।

- ज़रूरी चीज़ें: A4 शीट्स, क्रेयॉन्स, कलर पेंसिलें, स्कैच पेन या पेंट या मॉडलिंग क्ले।

- इस बारे में संक्षिप्त में चर्चा करें कि बच्चों को स्कूल में क्या करना अच्छा लगता है।
- उनको कुछ ऐसी गतिविधियों के बारे में बताने के लिए कहें, जो उन्हें अच्छी लगती हैं।
- अब उन्हें कागज़ पर चित्र के रूप में वह चीज़ बनाने को कहें, जो उन्हें अच्छी लगती हैं।
- वे चाहें तो उस गतिविधि का चित्र या मॉडल बना सकते हैं या फिर उससे संबंधित लोगों अथवा उससे संबंधित चीज़ों को बनाने के लिए कह सकते हैं।
- गतिविधि पूरी होने पर बच्चों को पूरी कक्षा के सामने ये बताने के लिए कहें कि उन्होंने क्या बनाया है, वे क्या दिखाना चाहते हैं, इस पर बातचीत करें।

6. अभिनय करो और पहचानो

15-20 मिनट

कक्षा में बच्चों की अभिव्यक्ति के मौके देना

- सभी बच्चों को अपनी-अपनी जगह आराम से बैठने के लिए कहें।
  पूरी कक्षा को 4-5 समूहों में बाँट लें और गतिविधि के लिए कुछ क्रिया शब्द सोचकर रखें।

- बच्चों को (डम्ब शराड) 'अभिनय करो और पहचानो' के बारे में बताएँ।
- सभी समूहों को कहें कि उन्हें मिलकर ये तय करना है कि वे अभिनय के लिए अपनी तरफ से किस बच्चे को भेजेंगे।
- प्रत्येक समूह को अभिनय के लिए बारी-बारी से अपने सदस्यों को भेजने का अवसर दें।
- अभिनय करने वाले प्रत्येक बच्चे को एक शब्द दें। उस बच्चे को कोई आवाज़ निकाले बिना उस शब्द का अभिनय करके दिखाना होगा।
- उस बच्चे के समूह के सदस्यों को उस शब्द का अनुमान लगाना है। समूह को तभी मदद दें, जब वे अटक जाएँ।
- दूसरे समूहों को कहें कि वे शब्द का अनुमान लगाने में मदद न करें।
- अभिनय करने के लिए बच्चों को ये शब्द दें: पीने का पानी, दौड़ना, नाचना, गाना। आप चाहें तो अन्य शब्द भी बच्चों को दे सकते हैं।

12.1.5 चित्र पर कार्य

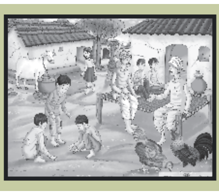

सामग्री: पाठ्यपुस्तक/आसपास में दिखने वाली वस्तु या चित्र

20-25 मिनट

चित्र पर चर्चा के लिए कक्षा-1 में दिए गए चित्र चार्ट और पाठ्यपुस्तक की सामग्री के चित्र काम में लें। चित्र पर बातचीत करने के विविध स्तर हो सकते हैं, जो क्रमशः सरल यानी जो दिख रहा है उनके नाम बताने से लेकर, संबंध बताने वाले, तर्क करने वाले और खुद के अनुभवों से जोड़ने वाले हो सकते हैं। इस बात का ध्यान रखने की अत्यधिक आवश्यकता है कि बातचीत के लिए बच्चों को अपनी भाषा के उपयोग के मौके मिलने चाहिए।

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें-

- बच्चों के समूह में चित्र चार्ट दें या खुले मैदान में ले जाकर उन्हें आपस में चर्चा करने दें।
- बच्चों को चित्र के बारे में बताएँ या दिखने वाले चित्रों पर प्रश्नों के द्वारा उन्हें संवाद के लिए प्रेरित करें।
- बच्चों के बीच आपस में संवाद को बढ़ावा देना। गौर करें कि सभी बच्चे इस बातचीत में भाग ले रहे हैं या नहीं।
- सरल और अनुभव वाले प्रश्न पूछकर चर्चा करें।
- फिर पहले बच्चों को कल्पना करने, अनुमान लगाने (खुले छोर) वाले प्रश्न इत्यादि की मदद से चर्चा करें।
- बच्चों को उनकी कल्पना से जुड़े लेखन कार्य करवाएँ। जैसे- दुकान से आपने क्या-क्या खरीदा, उनका चित्र बनाओ?

ध्यान रखने योग्य बातें:

- खुले छोर के प्रश्न अधिक हो सकते हैं।
- बातचीत के दौरान बच्चों के उच्चारण की गलतियों पर ध्यान न दें।
- बच्चों को घर की भाषा में अपने विचार रखने दें तथा उन्हें घर की भाषा प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

12.1.6 अनुभव पर चर्चा

सामग्री: शिक्षक संदर्शिका

20-25 मिनट

अनुभव पर चर्चा करना मौखिक भाषा विकास की एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। बच्चों से उनके अनुभव सुनने से पहले शिक्षक को भी अपने अनुभव सुनाने चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर बच्चों से उनकी दिनचर्या पर बातचीत कर रहे हैं तो शिक्षक बता सकते हैं कि वे दिन भर क्या-क्या करते हैं। किसी एक दिन एक अनुभव पर बातचीत कर सकते हैं। अगर विषय ऐसा है, जिसमें बच्चों को मज़ा आ रहा है और उनकी खूब भागीदारी हो रही है तो एक विषय पर दो या तीन दिन तक भी बातचीत की जा सकती है।

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें-

- शिक्षक पहले किसी एक विषय का चयन करें। ये विषय बच्चे के स्तर एवं परिवेश वाले हों।
- चयनित विषय पर शिक्षक बच्चों के साथ थोड़ी बातचीत करके उनके पूर्वज्ञान को सक्रिय करें।
- शिक्षक विषय से संबंधित अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें। इससे बच्चों को अपने अनुभव को व्यवस्थित रूप में आकार देकर दूसरों के साथ साझा करने में मदद मिलती है।
- इसके बाद प्रत्येक बच्चे को अपने अनुभव कक्षा में सुनाने का अवसर दें। अगर कक्षा में ज़्यादा बच्चे हों या समय की कमी हो तो दिन के अनुसार अलग-अलग बच्चों को अवसर दें। कोशिश करें कि प्रत्येक सप्ताह में सभी बच्चों को अपने अनुभव साझा करने के मौके मिलें।

बच्चों के अनुभव पर चर्चा के लिए निम्नलिखित विषय लिए जा सकते हैं-

बच्चों के अनुभव के लिए कुछ मुख्य विषय:	
• बच्चों की दिनचर्या	• खेत में किए जाने वाले काम
• खेल	• घर और गाँव में पाए जाने वाले जानवर
• गाँव/घर/सड़क में घटी कोई घटना	• दोस्तों के बारे में
• घर से स्कूल आते-जाते क्या-क्या दिखता है	• यातायात के साधन और उनके अनुभव
• यात्रा का कोई अनुभव	• त्यौहार
• बच्चों द्वारा देखे गए सपने	• मौसम-गर्मी, बरसात
• खाने-पीने की चीज़ें और उनकी पसंद	• गाने-नृत्य के बारे में
• परिवार में हुए आयोजन, जन्मदिन, शादी आदि	• पोशाक के बारे में
• बाज़ार, मेला आदि में जाने के अनुभव	

शिक्षक प्रत्येक बच्चों के अनुभवों में आए कुछ मुख्य शब्द या वाक्य बोर्ड पर लिखें, फिर उनको पढ़कर सुनाएँ।

12.1.7 अभिनय पर कार्य

सामग्री: शिक्षक संदर्शिका

20-25 मिनट

कहानी पर अभिनय करना: किसी कहानी को नाटक के रूप में अभिनय करना एक उपयोगी भाषाई कौशल है। इसको विकसित करने के लिए बच्चों को पूरे मौके देने चाहिए। किसी कहानी या घटना पर अभिनय करना बच्चों के लिए शब्दों और भावनाओं का संबंध बिठाने का एक तरीका है। बच्चे बचपन से ही विविध चीज़ों और घटनाओं की नकल करते रहते हैं। यहाँ एक तरह से उसी काम को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ा रहे हैं। पहले वर्ष में बच्चे अपने अनुभवों और छोटी-छोटी घटनाओं पर अभिनय करते रहे हैं। अब छोटी कहानियों पर नाटक की शुरुआत करेंगे। शिक्षक इस कार्य को लीड करते हुए बच्चों को वे छोटे-छोटे गुण सिखाएँगे, जिससे कहानी का नाटक के रूप में अभिनय किया जाता है।

यहाँ यह भी ध्यान रखना ज़रुरी है कि बच्चे अभी नाटक विधा की शुरुआत ही कर रहे हैं। बच्चों को अभिव्यक्ति और बातचीत के लिए एक प्रभावी स्थिति देना इसका मुख्य मकसद है। कक्षा में अभिनय करवाने के लिए बच्चों को सुनाई गई कहानी, कहानी की घटनाओं एवं रोज़मर्रा के जीवन आदि विषय काम में लिए जा सकते हैं।

यहाँ यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि अभिनय में भी स्कैफ्फोर्ल्डिंग का सिद्धांत काम में लिया जाना चाहिए, जिसमें बच्चों को धीरे-धीरे जटिल गतिविधियों की ओर ले जाने की तैयारी शामिल हो। इसके लिए पहले अभिनय के छोटे-छोटे हिस्सों पर काम करना चाहिए जिससे बच्चे स्वाभाविक रूप से सहज हों। जैसे हाव-भाव, कल्पना करना, डायलॉग बोलना, अपनी बात खुलकर कहने आदि और फिर जोड़ियों में स्थिति आधारित छोटे सीन बनाना और फिर कहानियों की अलग-अलग घटनाओं पर अभिनय करना।

12.2 अभ्यास पुस्तिका डिकोडिंग एवं संबंधित पठन लेखन की गतिविधियाँ

डिकोडिंग और पाठ आधारित पठन-लेखन कार्य (35-40 मिनट)

1 से 6 सप्ताह

- वर्ण/मात्रा पहचान
- मिलाकर शब्द पढ़ना
- शब्द/वाक्य पठन
- श्रुतलेख

7 से 26 सप्ताह

- अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर कार्य
  - मार्गदर्शन में पठन
  - स्वतंत्र पठन
  - संबंधित लेखन

12.2.1 वर्ण पहचान पर कार्य

सामग्री: वर्ण कार्ड, अभ्यास पुस्तिका

समय

10-15 मिनट

किसी भी वर्ण की पहचान के लिए शिक्षकों को व्यवस्थित रूप से वर्ण पहचान (डिकोडिंग) पर कार्य करने की आवश्यकता होती है। कक्षा-2 के शुरुआती दो सप्ताह में खासतौर से अब तक सीखे गए वर्ण/अक्षरों की पुनरावृत्ति पर कार्य करें और नए वर्णों पर निम्न प्रकार से कार्य करवाएँ:

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों (संक्षिप्त) का अनुसरण करें:

- शब्द की ध्वनि को तोड़ें-जोड़ें और प्रथम/अंतिम ध्वनि को अलग करें। (अंतिम वर्ण- 'ण', 'ड़' और 'ढ़')
- बच्चों से पूछकर बोर्ड पर शब्द लिखें और प्रथम/अंतिम वर्ण पर गोला लगवाएँ। फिर वर्ण कार्ड दिखाकर वर्ण को 3-5 बार उच्चारण करें।
- बच्चों को कक्षा में उपलब्ध सामग्रियों और पाठ्यपुस्तक से वर्ण ढूँढकर बताने को कहें।
- अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक से वर्ण पहचान और लेखन का अभ्यास करवाएँ।

12.2.2 वर्णों/अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (ब्लेंडिंग)

सामग्री: वर्ण/अक्षर कार्ड, अभ्यास पुस्तिका

10-15 मिनट

न	ना
म	मा
ग	गा
र	रा

ना

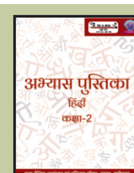

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उसमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बने शब्द को लिखें (अभ्यास पुस्तिका में दिए गए तरीके के अनुसार)। फिर पहले अलग-अलग उच्चारण करके, फिर जोड़कर 2-3 बार पढ़ें।
- 2-3 बार दोनों शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।
- बच्चों के साथ मिलकर एक शब्द मिलाकर पढ़ने की गतिविधि करवाएँ।
- अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका में इस गतिविधि पर आधारित अभ्यासों को करने को कहें।

12.2.3 शब्द पढ़ना

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका, ग्रिड

10-15 मिनट

ना	ना	नी
मा	मा	मी
का	का	की

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

अभ्यास पुस्तिका में दिए शब्दों (4-5 शब्द) को बोर्ड पर लिखें। इन्हें दो बार धीरे-धीरे पढ़ें।

फिर इन्हें बच्चों को शब्द-दर-शब्द पढ़ने को कहें। आप बच्चों की ज़रुरत के अनुसार मदद करें।

अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका से इन शब्दों को पढ़ने को कहें। आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।

शब्द स्तर का कोई खेल बच्चों से करवाएँ।

अभ्यास पुस्तिका में इस गतिविधि से जुड़ा कार्य करवाएँ।

12.2.4 मात्रा पहचान पर कार्य

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका, ग्रिड

समय 10-15 मिनट

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों (संक्षिप्त) का अनुसरण करें:

बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में मात्रा लगाकर अक्षर का उच्चारण करें।

5-6 वर्ण के साथ मात्रा लगाकर उच्चारण करें। फिर बच्चों को बोलने को कहें।

फिर बच्चों को छोटे ग्रिड कार्ड 4-5 के समूह में दें और साथ-साथ पढ़ने को कहें।

अभ्यास पुस्तिका से पहचान, अभ्यास और लेखन का कार्य करवाएँ।

शिक्षक वर्ण/मात्रा के आधार पर बोर्ड पर ग्रिड बनाकर कार्य करें।

12.2.5 श्रुतलेख पर कार्य

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका

समय 5-10 मिनट

पिछले सप्ताह तक सीखे गए स्तर के अनुसार सरल शब्दों/वाक्यों का चयन करें।

जब बच्चे अपनी नोटबुक के साथ तैयार हों तो शिक्षक पहला शब्द/वाक्य बोलें। बच्चों को इसे दोहराने को कहें। इससे ये पता चल जाएगा कि बच्चों ने सही सुना है या नहीं।

अब बच्चों को लिखने को कहें, फिर इसे कम से कम तीन बार बोलें।

दूसरे और तीसरे शब्द/वाक्य के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।

फिर शिक्षक बच्चों के लेखन की जाँच करें और सुधार के लिए अपनी राय दें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- अभ्यास पुस्तिका में भी श्रुतलेख संबंधी गतिविधियाँ दी गई हैं, परन्तु पर्याप्त नहीं हैं। श्रुतलेखन पर कार्य नियमित तौर पर किया जाना चाहिए ताकि बच्चों में डिकोडिंग कौशल सुदृढ़ हो सकें।

12.2.6 अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर पठन लेखन

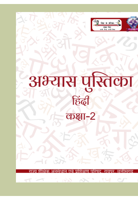

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका

35-40 मिनट

अभ्यास पुस्तिका में पाठ संबंधित कार्य दिए गए हैं। प्रत्येक पाठ पर दो दिन तक कार्य किया जाएगा। इस दौरान बच्चों को पाठ पढ़ने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे- तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि कार्य) और उससे संबंधित समझ आधारित लेखन के मौके दिए जाएँगे। प्रत्येक पाठ पर कार्य करने की दो दिन की योजना निम्न प्रकार है:

पहला दिन: पाठ में मार्गदर्शन में पठन और अभ्यास

35-40 मिनट

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को उचित उतार-चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को भी साथ में पाठ पर उँगली रखकर देखने को कहें।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- सभी बच्चों को जोड़ी में बाँट दें और उन्हें पाठ को जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें। शिक्षक अलग-अलग जोड़ियों में जाकर आवश्यकतानुसार बच्चों की पढ़ने में मदद करें।
- कक्षा से किन्हीं 2-3 बच्चों से कक्षा के सामने पाठ को पढ़ने के लिए कहें। यदि पाठ में लेखन अभ्यास है तो उस पर कार्य करें।

दूसरा दिन: पाठ पर स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास कार्य

35-40 मिनट

- पिछले दिन पढ़ाए गए पाठ को एक बार आदर्श तरीके से पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों को दो-दो की जोड़ी में बाँट दें या उन्हें पाठ स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें। जिन बच्चों को आवश्यकता है उनकी पाठ पढ़ने में मदद करें।
- फिर अभ्यास पुस्तिका में दी गई गतिविधियों पर चर्चा करें और लेखन कार्य करवाएँ।
- अंत में, बच्चों के लेखन कार्य पर अपनी राय दें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

12.3 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास

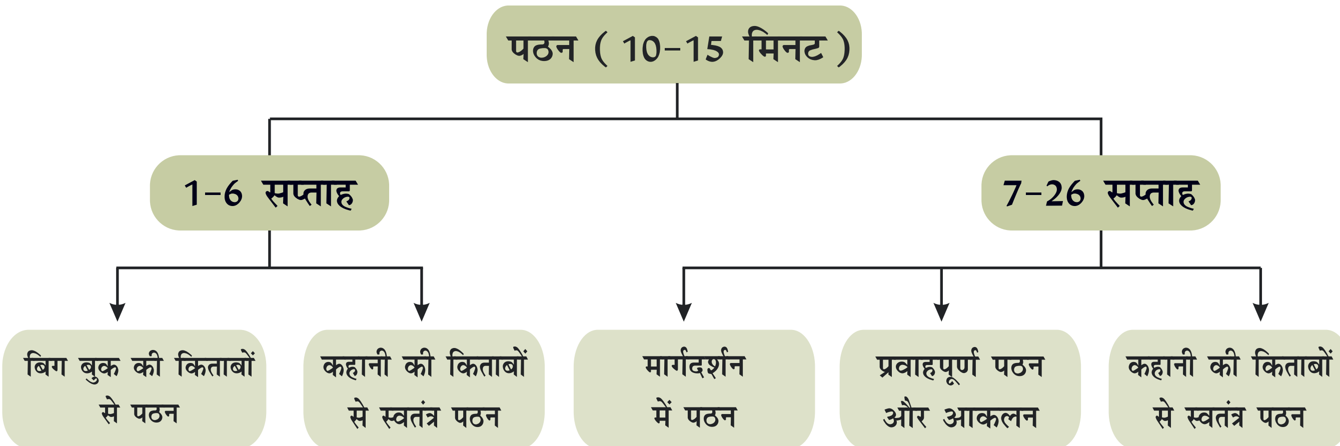

12.3.1 बिग बुक पर कार्य

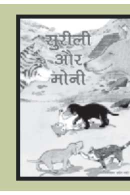

सामग्रीः बिग बुक

10-15 मिनट

1 से 6 सप्ताह के लिए एक बिग बुक पर काम करना प्रस्तावित है। प्रारंभ में बच्चों की भाषा की बिग बुक पर कार्य होगा। शिक्षक नीचे दी गई योजना को आधार बनाकर बिग बुक पर कार्य करें।

पहला दिन : बिग बुक से परिचय

शिक्षक बिग बुक पर कार्य करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शिक्षक बिग बुक के मुख्य पृष्ठ पर चर्चा कर अनुमान लगवाकर कहानी का नाम पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों को मुख्य पृष्ठ और कहानी के नाम के आधार पर अनुमान लगाने को कहें कि कहानी में क्या होगा।
- बिग बुक में प्रत्येक पेज के चित्रों को दिखाते हुए चर्चा करें और कहानी को आगे बढ़ाएँ। बच्चों को भी चित्रों के आधार पर कहानी की घटनाओं का अनुमान लगाने को कहें।
- पूरी कहानी को हाव-भाव और आवाज़ में उतार-चढ़ाव के साथ बिग बुक में से पढ़ते हुए सुनाएँ। अंत में, बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

दूसरा दिन : कहानी पर बेहतर पकड़

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- बच्चों से पिछले दिन की कहानी के बारे में चर्चा करें और मुख्य घटना को याद दिलाएँ।
- शिक्षक बिग बुक को बच्चों की ओर दिखाएँ। फिर प्रत्येक पेज पर दिए गए चित्र को दिखाते हुए और शब्दों पर उँगली रखते हुए कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- कहानी पर विस्तृत चर्चा करें। कहानी पर आधारित बंद एवं खुले छोर (उच्चस्तरीय चिंतन के लिए) के प्रश्न बच्चों से पूछें। ध्यान दें कि हर बच्चे को उत्तर देने का मौका ज़रुर मिले।

तीसरा दिन: शब्द दीवार एवं बिग बुक से साझा-पठन

शिक्षक साझा पठन के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शिक्षक बिग बुक से एक बार कहानी सुनाएँ। इस दौरान बच्चों की ओर किताब दिखाते हुए शब्दों पर उँगली रखकर धीरे-धीरे कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- शिक्षक बच्चों को अपने साथ पढ़ने के लिए प्रोत्सहित करें (साझा-पठन)। साथ-साथ पढ़ने का मतलब बच्चे और शिक्षक का साथ-साथ पढ़ना है।
- पढ़ते समय मुख्य शब्दों पर थोड़ा रुकें, ताकि बच्चों को साथ में पढ़ने का मौका मिले।
- इस प्रक्रिया को दो बार करें। (धीरे-धीरे जैसे बच्चे पठन सामग्री से परिचित हो जाएँगे, ये शिक्षक के साथ-साथ पढ़ने का प्रयास करने लगेंगे।)

चौथा दिन: साझा-पठन एवं लोगोग्राफिक पठन

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शिक्षक बच्चों के साथ तीसरे दिन की तरह 2 बार साझा पठन करें।
- शब्द दीवार का इस्तेमाल करते हुए बच्चों के साथ मुख्य शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करें। (लोगोग्राफिक पठन)
- बच्चों को शब्द दीवार के पास आकर इन शब्दों पर उँगली रखकर पढ़ने में मदद करें।
- अंत में, 3-4 बच्चों को बिग बुक में से कहानी पढ़ने के लिए आमंत्रित करें। ऐसा करते समय उन्हें किताब पकड़ने और पन्नों पर छपे चित्रों और शब्दों को देखते हुए कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

नोट - इन शब्दों की पहचान के लिए कुछ छोटे खेल और गतिविधियाँ भी करा सकते हैं। जैसे- शब्द दीवार में जिस शब्द पर उँगली रखी है, उसे बिग बुक में ढूँढ़ना या शिक्षक द्वारा बोले गए शब्द को शब्द दीवार पर ढूँढ़ना। (इन शब्दों को पहले से बड़े अक्षरों में शब्द दीवार पर लिख कर रखें। ध्यान रखें कि शब्द दीवार पर लिखे शब्द अधिकतम 7-8 ही हों।)

12.3.2 शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका

10-15 मिनट

कक्षा-2 में बच्चों के पठन अभ्यास के लिए अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 में छोटे और सरल पाठ दिए गए हैं। इन पाठों पर 'शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन' की गतिविधि की जानी है। इसकी प्रक्रिया नीचे दी गई है-

- शिक्षक पाठ के शीर्षक और चित्र पर बच्चों से चर्चा करें।
- पाठ को उचित गति और हाव-भाव से पढ़कर सुनाएँ। इस दौरान बच्चे अपनी-अपनी किताब में इसे देखें।
- बच्चों को जोड़े में पाठ पढ़ने के लिए कहें और कक्षा में घूमते हुए बच्चों को पढ़ते हुए सुनें। अगर बच्चे किसी शब्द में कठिनाई महसूस कर रहे हैं तो आवश्यकतानुसार पढ़ने में उनकी मदद करें।
- अब बच्चों को स्वतंत्र रूप से पाठ को पढ़ने के लिए कहें। जो बच्चे अभी स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने में सक्षम नहीं है। शिक्षक उन बच्चों की धीरे-धीरे शब्दों को पढ़ने में मदद करें।
- किन्हीं 2-3 बच्चों से कक्षा में सामने आकर पढ़ने को कहें। बाकी बच्चे अपनी किताब में देखें।

12.3.3 प्रवाहपूर्ण पठन और आकलन

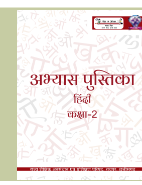

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका

15-20 मिनट

कक्षा-2 में बच्चों के पठन अभ्यास के लिए अभ्यास पुस्तिका के खण्ड-2 के सप्ताह 7 से छोटे और सरल पाठ दिए गए हैं। प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य करने की प्रक्रिया नीचे दी गई है-

- बच्चों को जोड़ों में या व्यक्तिगत रूप से पाठ को पढ़ने के लिए कहें।
- शिक्षक आकलन* के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और अभ्यास पुस्तिका रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।
- एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी किताब से पाठ पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उसके प्रवाहपूर्ण पठन का आकलन करें। (पृष्ठ संख्या 61 के अनुसार)
- फिर आकलन के अंक शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 71-72 पर नोट करें।
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के लिए प्रतिदिन यह प्रक्रिया 4-5 बच्चों से करवाएँ।

प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन का तरीका

आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और अभ्यास पुस्तिका की एक प्रति रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।

एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी प्रति से उस दिन का पाठ पढ़ने को कहें।

बच्चे की अभ्यास पुस्तिका अपने पास रख लें क्योंकि उसी में आपको रिकॉर्ड करना है।

बच्चा जैसे ही पढ़ने लगता है, आप उसके सही और गलत पढ़े गए शब्दों को गौर से सुनें।

जब बच्चा किसी शब्द को गलत पढ़ता है तो उस शब्द के नीचे लाइन खींच दें। अगर उसी शब्द को वह सही पढ़ लेता है तो उसे फिर छोड़ दें।

जब एक मिनट हो जाए तो अंतिम पढ़े गए शब्द पर ']' का निशान लगा दें। अब इस निशान तक सही पढ़े गए शब्दों को सुनकर 'सही पढ़े गए शब्दों की संख्या' वाले बॉक्स में लिखें।

साथ ही, बच्चों के स्तर के लिए किसी एक बॉक्स में निम्नलिखित मापदंड के अनुसार सही (✓) का निशान लगाएँ।

स्तर 1	नहीं पढ़ पाया या अधिकतम 5 शब्द पढ़ता हो।
स्तर 2	वर्ण/अक्षरों को जोड़-जोड़कर शब्द पढ़ता हो।
स्तर 3	शब्द-दर-शब्द पढ़ रहा हो, वाक्य पर ध्यान नहीं है।
स्तर 4	वाक्य को वाक्य की तरह पढ़ रहा हो।

उस बच्चे के आकलन की जानकारी शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 71-72 पर दी गई तालिका में भरें।

फिर अन्य बच्चों को बुलाएँ। उनके साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- यहाँ यह ध्यान रखना ज़रुरी है कि इस प्रक्रिया में बच्चों को हतोत्साहित ना होना पड़े। इसलिए सभी बच्चों के लिए सामान्य प्रोत्साहन वाले वाक्य या शब्द ही इस्तेमाल करें।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में आगे हैं, ज़रुरी नहीं है कि उन बच्चों की विशेष तारीफ हो। बच्चे सीखने की प्रक्रिया में अलग-अलग स्तर पर हो सकते हैं, मगर यह उपलब्धि का आखिरी पड़ाव नहीं है। प्रवाहपूर्ण पठन में पढ़ने के अभ्यास का बहुत महत्त्व है। भरपूर अभ्यास से बच्चों के स्तर में वृद्धि की जा सकती है।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में पीछे हैं, यानी प्रति मिनट उनके द्वारा सही पढ़े गए शब्दों की संख्या कम है, तो शिक्षक उन बच्चों के पढ़ने के दौरान हो रही गलतियों की प्रकृति पर गौर करें। आप पठन अभ्यास के दौरान इन गलतियों के बारे में बात कर उन्हें सही पढ़ने के मौके दे सकते हैं। अगर एक समय में बच्चों को किसी एक प्रकार की गलती पर ध्यान आकर्षित कराया जाए तो वे बहुत जल्दी से उसे सुधारने लगते हैं।

12.3.4 कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन

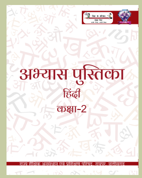

सामग्रीः कहानी की किताबें (अगर कहानी की किताबें उपलब्ध नहीं हैं तो अभ्यास पुस्तिका के पाठ को उपयोग में लें)

15-20 मिनट

शिक्षक इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

बच्चों को अपनी पसंद की पुस्तकालय की कहानी की किताब/अभ्यास पुस्तिका से पाठ चुनने को कहें और उन्हें खुद से पढ़ने को कहें। इसके लिए 10-12 मिनट का समय दें।

बच्चे अपने साथी के साथ या स्वतंत्र पढ़ें।

फिर सभी बच्चों को एक जगह बुलाकर बातचीत करें। (आप उनसे कहानी, उसके पात्र, चित्र, घटना के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इस बातचीत का उद्देश्य बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने, उनकी रूचि को बनाए रखने और पढ़ने में आई दिक्कतों को समझना है। जो बच्चे अभी भी पढ़ने में संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें भी पढ़ने के मौके दें। उन्हें ऐसे बच्चों के साथ भी बिठा सकते हैं, जो पढ़ने में उनकी मदद करें।)

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों को किताब पढ़ने के लिए स्वतंत्र समय देना चाहिए। इस समय बच्चे कहानी पढ़ नहीं पा रहे होंगे, मगर उन्हें किताब पकड़ने, चित्र देखने इत्यादि के मौके मिलते हैं। इनमें पाठ्यपुस्तक के अलावा कविता-कहानियों की रोचक किताबें हों।
- बच्चे व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग बैठकर किताबें पढ़ें।

13. आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग है। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित प्रक्रिया बनाता है जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

2024-25 की आकलन प्रक्रिया

कक्षा प्रक्रिया को सशक्त करने के उद्देश्य से बच्चों के साथ तीन तरह के आकलन किए जाएँगे।

अनौपचारिक आकलन	साप्ताहिक आकलन	सावधिक आकलन
दैनिक गतिविधियों के दौरान या बाद में	सप्ताह के अंत में	वर्ष में 2 बार

13.1 दैनिक गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन/समीक्षा

कक्षा में गतिविधियों के दौरान यह जानना आवश्यक है कि बच्चे गतिविधि के अधिगम उद्देश्य को प्राप्त कर पाए या नहीं। इसके लिए गतिविधि के बीच में या अंत में विषयवस्तु और कौशल के हिसाब से अलग-अलग तरीकों से आकलन/अवलोकन किए जाते हैं। इसे अनौपचारिक आकलन भी कहा जाता है।

मौखिक कार्य के दौरान

- कक्षा में मौखिक कहानी या किताब/बिग बुक से कहानी सुनाने के दौरान बच्चों से सरल और सीधे प्रश्न पूछें, ताकि आप पता लगा पाएँ कि बच्चे कहानी को समझ रहे हैं या नहीं।
- बातचीत, चर्चा या खेल गतिविधि के दौरान हर 5-7 मिनट में एक बार यह ज़रूर देखें कि क्या सभी बच्चों ने बात की है या प्रतिभाग किया है? अगर नहीं तो सभी बच्चों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पठन के दौरान

- किसी नए दिन की शुरुआत में पिछले दिन सिखाए गए विषयवस्तु के बारे में 5 बच्चों से प्रश्न पूछें। शब्द पहचान के लिए बोर्ड का सहारा ले सकते हैं। अगर ज़्यादातर बच्चे नहीं बता पाते हैं तो पहले 3-5 मिनट तक पिछली विषयवस्तु को बच्चों के साथ दोहराएँ।
- श्रुतलेख कार्य के दौरान बच्चों को जोड़े में एक-दूसरे का लेखन देखने को कहें। जब बच्चे एक-दूसरे का लेखन देख लें, तब शिक्षक बोर्ड पर वाक्य लिखें। फिर सभी बच्चों को उसे देखकर अपना कार्य जाँचने को कहें।

13.2 साप्ताहिक योजना में आकलन

दिवस 1 → दिवस 2 → दिवस 3 → दिवस 4 → दिवस 5 → दिवस 6

- दिवस 1–4: नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य (अनौपचारिक आकलन कक्षा की गतिविधियों के दौरान)
- दिवस 5: साप्ताहिक पुनरावृत्ति
- दिवस 6: साप्ताहिक आकलन एवं रेमेडियल कार्य
  - समूह 1: रेमेडियल कार्य
  - समूह 2: स्व-अभ्यास

सप्ताह में दो पाठ पर कार्य

दिवस 1-4: नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य

सप्ताह के पहले चार दिनों में हम बच्चों के साथ नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य करेंगे, जिसमें डिकोडिंग कौशल के अंतर्गत नए वर्ण/मात्रा पहचान और शब्द पठन का कार्य होगा। दैनिक योजना के अनुसार इन पर कार्य किया जाएगा।

दिवस 5: साप्ताहिक पुनरावृत्ति

- साप्ताहिक पुनरावृत्ति का कार्य प्रत्येक सप्ताह के 5वें दिन रखा गया है।
- सीखी गई विषयवस्तु का दोहरान किया जाएगा। इससे बच्चों के सीखने के बेहतर परिणाम देखे जा सकते हैं। पुनरावृत्ति में शब्द स्तर की गतिविधि के साथ-साथ वाक्य पठन और पढ़कर समझने की गतिविधियों को भी सम्मिलित किया गया है।

दिवस 6 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन और पुनरावृत्ति

- डिकोडिंग से संबंधित दक्षताओं के साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों को पहचानना है, जो उन दक्षताओं को हासिल नहीं कर पाए हैं।
- साथ-साथ उन बिन्दुओं को चिह्नित करना है, जहाँ कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है और फिर से इन दक्षताओं का शिक्षण करना है।

1-15 सप्ताह

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे:

दो समूहों में कार्य

समूह-1
50% या उससे कम
(जैसे- 10 में से 5 या उससे कम, 20 में से 10 या उससे कम)

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्णों/अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ।
- वर्णों/अक्षरों को शब्दों में ढूँढकर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ।
- कॉपी में वर्ण/अक्षर को लिखना और गृहकार्य देना।

शब्द स्तर का कार्य
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास।
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (शिक्षक करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।

वाक्य स्तर का कार्य
- शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- छोटे-छोटे वाक्य जोड़ों में पढ़वाएँ।

(नोट: इन बच्चों के साथ भी शब्द स्तर पर कार्य करें।)

समूह-2
50% या उससे अधिक
(जैसे- 10 में से 6 या उससे अधिक, 20 में से 11 या उससे अधिक)

शिक्षक इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि ये बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ:
- डिकोडिंग खेल
- कहानी की किताबें/अभ्यास पुस्तिका पढ़ना।
- देखकर शब्द/ वर्ण/ अक्षर लिखना।

दिवस 6 : पढ़कर समझना पर आधारित आकलन और पुनरावृत्ति

आकलन के बाद बच्चों की पढ़कर समझने की स्थिति के अनुसार शिक्षक बच्चों के साथ पुनरावृत्ति कार्य करें। यहाँ चार मुख्य स्थितियों को ध्यान में रखकर रणनीतियाँ दी गई हैं। इनसे अलग स्थिति में भी इन्हीं दो समूह के आधार पर कार्य करें:

16-26 सप्ताह

साप्ताहिक पुनरावृति में दो तरह के कौशलों का आकलन किया जाना है- पढ़कर समझना और श्रुतलेख
पढ़कर समझने के आकलन के लिए अभ्यास पुस्तिका में सप्ताह के अंत में एक पाठ दिया गया है। इस पाठ से पढ़कर समझने के आकलन की दो प्रक्रियाएँ होंगी :-

बच्चों से पाठ बोलकर पढ़वाना

- यह आकलन प्रत्येक बच्चे के साथ अलग-अलग किया जाना है। बच्चे को अपने पास बुलाकर पाठ बोलकर पढ़ने को कहें।
- पढ़ने के दौरान बच्चे जिन शब्दों को पढ़ने में गलती करते हैं, उन्हें नोट करते जाएँ। फिर अंत में अभ्यास पुस्तिका की उनकी प्रति में सही पढ़े गए शब्दों को नोट कर लें।
- पढ़ने के लिए अधिकतम 2 मिनट का समय दें। अगर बच्चे ने पहले वाक्य के सभी शब्द गलत पढ़े हैं तो उसे पढ़ने से रोक दें और समूह-1 के अनुसार कार्य करवाएँ।

पढ़ने के बाद पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछना

- बच्चों से एक-एक कर पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछें। प्रश्न के सही उत्तर के लिए एक अंक दें। तीसरे प्रश्न का उत्तर अलग-अलग हो सकता है।
- अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न ना करें।

स्थिति	बच्चों की पठन उपलब्धि	निर्धारित समूह	छठे दिन शिक्षण कार्य की रणनीति	आगे की योजना
स्थिति-1	बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और कम से कम 2 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	समूह-2	इन प्रश्नों के उत्तर नीचे लिखने को कहें। बच्चों को अन्य पठन सामग्री पढ़ने को दें।	इन बच्चों को कहानी की किताबें देकर कुछ बड़े पाठ पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
स्थिति-2	बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और 1 या 0 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	समूह-2	इन बच्चों की जोड़ियाँ बनाएँ, उन्हें अन्य पाठ पढ़ने को दें और एक-दूसरे को पढ़कर प्रश्न पूछने और जवाब देने को कहें।	मौखिक भाषा विकास और पढ़कर समझने के दौरान इन बच्चों से प्रश्नों की प्रकृति को समझने का अभ्यास करवाएँ और सहभागिता पर ज़ोर दें।
स्थिति-3	यदि बच्चे ने 50% से कम शब्द सही पढ़े और 1 या 0 प्रश्नों के सही उत्तर दिए। (अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न ना करें।)	समूह-1	बच्चों के साथ शब्द पठन पर कार्य करें। इसके लिए पुनरावृत्ति योजना काम में लें।	बच्चों को अधिक से अधिक शब्द पठन के मौके दें और रोज़ समूह-2 के बच्चों के साथ शब्द और वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।
स्थिति-4	यदि बच्चा पहले वाक्य से एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया तो आप उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें। उत्तर के लिए कोई अंक नोट न करें। (यहाँ कहानी सुनाने का उद्देश्य सिर्फ उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है।)	समूह-1	इनके साथ वर्ण और शब्द पठन पर कार्य की ज़रूरत है। इसके लिए पुनरावृत्ति योजना काम में लें।	यहाँ यह समझना ज़रूरी है कि जो बच्चे स्थिति-4 में हैं, उनके साथ सिर्फ छठे दिन पुनरावृत्ति कार्य करने से बहुत बदलाव नहीं होगा। इन बच्चों के साथ दैनिक स्तर पर वर्ण/अक्षर और शब्द पठन पर कार्य करें।

13.3 सावधिक आकलन प्रक्रिया

13 व 20 सप्ताह

26 सप्ताह की शिक्षण योजना में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा। पहला आकलन 13वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 20वें सप्ताह में किया जाना है। इसे आंतरिक आकलन प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य भी बच्चों को कक्षा स्तर की दक्षताओं को हासिल करने में मदद करना है।

सावधिक आकलन सप्ताह के पहले दो दिवस में किया जाएगा। शेष दिनों में सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। यदि पुनरावृत्ति की आवश्यकता है तो आवश्यकतानुसार 4-5 दिन और बढ़ाकर पुनरावृत्ति कार्य कराएँ। अंतिम दिन साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' किया जाएगा।

सावधिक आकलन → सावधिक पुनरावृत्ति ------------→

3 4 5

सावधिक आकलन एवं समूह निर्धारण

बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को सावधिक आकलन के लिए बने ट्रैकर पर दर्ज करना होगा और समूह निर्धारण करना होगा।

- **समूह 1 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% से कम अंक आए हैं।
- **समूह 2 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% से अधिक अंक आए हैं।

समूह निर्धारण : रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

13-20

सावधिक पुनरावृत्ति के पाठों को दोनों समूहों (समूह 1 एवं 2) के बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार उपयोग में लाएँ।

सप्ताह 1-15 में साप्ताहिक आकलन

सप्ताह 1-15 दिवस 6

सप्ताह 1-15 में डिकोडिंग (शब्द/वाक्य) संबंधित दक्षताओं का आकलन किया जाएगा। साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर जो बच्चे स्तर-1 पर हैं, (समूह 1 में हैं) उनके लिए 1 और जो स्तर-2 पर हैं, (समूह 1 में हैं) उनके लिए 2 लिखें।

इस दौरान डिकोडिंग के साथ-साथ मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन नियमित रूप से करें और मौखिक भाषा विकास में जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यता है, उनके नाम के आगे '-' चिह्न का निशान लगाएँ।

डिकोडिंग

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

- अपने अनुभव या किसी घटना के बारे में बोल पाना/ अपने विचार रख पाना।

सप्ताह 16-26 में साप्ताहिक आकलन

सप्ताह 16-26 दिवस 6

सप्ताह 16-26 में पाठ पढ़कर समझने से संबंधित दक्षताओं का आकलन किया जाएगा। इसके तहत दो दक्षताओं का आकलन होगा- 1. पाठ पढ़ पाना 2. पढ़कर प्रश्नों के मौखिक रूप से उत्तर दे पाना। इन दोनों दक्षताओं के अंक के लिए अलग-अलग मापदंड हैं, उसे समझ लें।

साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर जो बच्चे स्तर-1 पर हैं, (समूह 1 में हैं) उनके लिए 1 और जो स्तर-2 पर हैं, (समूह 2 में हैं) उनके लिए 2 लिखें।

पठन

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

पाठ समझना

- पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देना।

14. साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

14.1 डिकोडिंग एवं मौखिक रूप से अभिव्यक्ति का ट्रैकर (सप्ताह 1 से 6)

डिकोडिंग   मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

क्र.	बच्चों के नाम	1		2		3		4		5		6	
1													
2													
3													
4													
5													
6													
7													
8													
9													
10													
11													
12													
13													
14													
15													
16													
17													
18													
19													
20													
21													
22													
23													
24													
25													
26													
27													
28													
29													
30													

14.2 डिकोडिंग एवं मौखिक रूप से अभिव्यक्ति का ट्रैकर (सप्ताह 7 से 12)

डिकोडिंग   मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

क्र.	बच्चों के नाम	7		8		9		10		11		12	
1													
2													
3													
4													
5													
6													
7													
8													
9													
10													
11													
12													
13													
14													
15													
16													
17													
18													
19													
20													
21													
22													
23													
24													
25													
26													
27													
28													
29													
30													

14.3 डिकोडिंग एवं पाठ समझना का ट्रैकर (सप्ताह 14 से 19)

पठन   पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना

क्र.	बच्चों के नाम	14		15		16		17		18		19	
		क स म		क स म									
1													
2													
3													
4													
5													
6													
7													
8													
9													
10													
11													
12													
13													
14													
15													
16													
17													
18													
19													
20													
21													
22													
23													
24													
25													
26													
27													
28													
29													
30													

14.4 पठन एवं पाठ समझना का ट्रैकर (सप्ताह 21 से 26)

पठन   पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना

क्र.	बच्चों के नाम	21		22		23		24		25		26	
1													
2													
3													
4													
5													
6													
7													
8													
9													
10													
11													
12													
13													
14													
15													
16													
17													
18													
19													
20													
21													
22													
23													
24													
25													
26													
27													
28													
29													
30													

क्र.	नाम	परिणाम	सप्ताह								
			17	18	19	21	22	23	24	25	26
1.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
2.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
3.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
4.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
5.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
6.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
7.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
8.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
9.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
10.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
11.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
12.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
13.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
14.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
15.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
16.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
17.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									

क्र.	नाम	परिणाम	सप्ताह								
			17	18	19	21	22	23	24	25	26
18.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
19.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
20.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
21.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
22.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
23.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
24.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
25.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
26.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
27.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
28.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
29.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
30.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									

16. प्रिंट रिच वातावरण

पढ़ने-लिखने के शुरुआती चरणों में बच्चों को जितनी अलग-अलग तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री और प्रिंट की चीज़ें मिलती हैं, उनका सीखना उतना ही रोचक हो जाता है। समृद्ध कक्षा-कक्ष बच्चों के पढ़ने-लिखने, कक्षा और अपने सहपाठियों से जुड़कर कार्य करने एवं झिझक दूर करने में काफी मददगार होता है। यह वातावरण उन बच्चों के सीखने में और ज़्यादा मदद करता है, जिनके घरों में प्रिंट सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।

प्रिंट रिच वातावरण के मुख्य 6 घटक हैं।

1. किताबों का कोना

बच्चों के स्तर की किताबों को कक्षा के किसी कोने में सजाकर इस तरह रखें कि बच्चे उसे लेकर देख सकें। दीवार में रस्सी टाँगकर भी कुछ किताबों को रखा जा सकता है।

2. चित्र चार्ट

इनको कक्षा में इस तरह दीवारों और खिड़कियों के सहारे रखें कि ये सबको दिख जाएँ। इन्हें दीवारों पर न चिपकाएँ क्योंकि चित्र पर चर्चा के लिए इन्हें बच्चों के बीच में रखकर कार्य करना पड़ता है।

3. कविता/कहानी पोस्टर

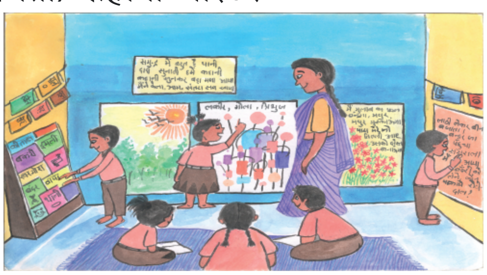

इन्हें दीवारों पर लगाएँ। ज़मीन से इनकी ऊँचाई ऐसी हो कि बच्चे आसानी से इन्हें देख सकें और इनके साथ कार्य कर सकें।

4. लेबलिंग

कक्षा में मौजूद वस्तुओं के नाम कागज़ पर लिखकर उन्हें प्रत्येक वस्तु के पास चिपकाया जा सकता है। जैसे- दरवाज़ा, खिड़की, अलमारी आदि।

5. बच्चों का कोना

बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए एक निश्चित जगह चुनें। उस पर उनके नाम सहित उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को चिपकाएँ या टाँग दें।

6. शब्द दीवार

दीवारों पर कई तरह के शब्द चार्ट लगाए जा सकते हैं, जैसे- बच्चों के नाम, जन्मदिन चार्ट, स्थानीय शब्द, कहानी/कविता के शब्द आदि।

नोट- कक्षा में प्रदर्शित सामग्री को समय-समय पर शिक्षण योजना के अनुरूप बदलते रहना चाहिए। इससे कक्षा में नवीनता बनी रहती है और बच्चे इस सामग्री के उपयोग से स्व-अभ्यास, नया सीखने के लिए आतुर रहते हैं।

17. कक्षा प्रबंधन

कक्षा प्रबंधन एक विशेष प्रकार की रणनीति एवं तकनीक है, जो सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़कर रखती है। प्रभावी कक्षा प्रबंधन वह है, जो सीखने में मदद करे, जैसे- शिक्षक का व्यवहार एवं कक्षा का वातावरण, वास्तविक अपेक्षाएँ, अधिगम शिक्षण सामग्री का उपयोग, गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में विविधता, समय प्रबंधन/नियोजन आदि।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन के मुख्य बिंदु-

1. बैठक व्यवस्था

- ✍ बैठक की व्यवस्था, कक्षा-कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार हो, जैसे- गोल घेरे में बैठना, छोटे-छोटे समूहों में बैठना।
- ✍ शिक्षण के समय बच्चों और बोर्ड के बीच में दूरी कम हो।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- ✍ कक्षा में शिक्षण के दौरान, आप जब भी बच्चों के साथ बातचीत करें तो उनकी भावनाओं के प्रति सचेत और संवेदनशील रहें।
- ✍ ऐसी बातचीत में सभी बच्चों को मौका दें।
- ✍ जो बच्चे डर या झिझक महसूस करें, उन्हें कक्षा में जोड़ने के लिए अधिक मौके दें।

3. सहज वातावरण

- ✍ कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें।
- ✍ कक्षा-व्यवस्था संबंधी नियमों को बच्चों के साथ मिलकर तय करें।
- ✍ शिक्षण कार्य के दौरान, बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें।

4. समय प्रबंधन/नियोजन

- ✍ बेहतर शिक्षण के लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चों को 'इंतज़ार का समय' (wait time) और 'काम का समय' (time on task) कितना मिला।
- ✍ इंतज़ार का समय वह समय होता है, जिसमें बच्चों को सोचने का समय दिया जाता है और काम के समय में बच्चे किसी गतिविधि आदि पर समय लगाते हैं।
- ✍ जिन शिक्षण सामग्रियों को काम में लेना है, उन्हें पहले से ही इकट्ठा कर लें।
- ✍ शिक्षण योजनाओं को कक्षा में क्रियान्वयन करने से एक दिन पहले अवश्य पढ़ें एवं आवश्यक तैयारी कर लें।
- ✍ बहुकक्षीय शिक्षण की अवस्था में शिक्षक को अपने समय-संतुलन पर भी खास ध्यान देना चाहिए।

कहानी-कथन उत्सव

कहानी सुनाना सीखने-सिखाने की सबसे पुरानी और शक्तिशाली विधि है। दुनिया भर की संस्कृतियों ने हमेशा से ही विश्वास, परंपराओं और इतिहास को भविष्य की पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए कथाओं/ कहानियों का उपयोग किया है। कहानियाँ कल्पनाशीलता तो बढ़ाती ही हैं, साथ ही वे कहानी कहने वाले और श्रोताओं के बीच अर्थपूर्ण जुड़ाव स्थापित करने के लिए सेतु का काम भी करती हैं।

'नींव': बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम बस्तर जिले में विगत माह 'कहानी-कथन उत्सव' का आयोजन 200 स्कूलों में किया गया। कहानी कथन की प्रक्रिया के तहत समुदाय से कहानी वाचक बच्चों के समूह को कहानी सुनाने आए। कहानियाँ स्थानीय संदर्भों से जुड़ी हुई थी, कहानी सुनने के बाद कक्षा-1 और कक्षा-2 के बच्चों ने चित्र बनाएँ एवं कक्षा-3 से कक्षा-5 के बच्चों ने चित्र के साथ कहानी भी लिखी। शिक्षकों द्वारा इन कहानियों / चित्रों का अध्ययन कर आगे की कार्ययोजना बनाई जाएँगी।

कहानी कथन के उद्देश्य

- बच्चों में सुनने और बोलने के कौशल विकसित करना और उन्हें प्रेरित करना जिससे सुनने और बोलने के कौशल पढ़ने और लिखने के कौशलों में हस्तांतरित हो सकें।
- सामुदायिक ज्ञान को स्कूलों से जोड़ना।
- शैक्षिक संसाधनों के रूप में कहानियों के उपयोग को बढ़ावा देना।
- शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में कहानी कथन के उपयोग हेतु रणनीतियों का विकास करना।
- बच्चों और वयस्कों में कहानी कथन की कला को बढ़ावा देना।
- समाज में कहानियों की भूमिका की समझ का प्रदर्शन करना।

उपरोक्त सभी उद्देश्यों की निरन्तरता में बस्तर बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम के 200 स्कूलों में कहानी कथन उत्सव का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम की प्रशंसा राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने अपने 26 जनवरी के सम्बोधन के दौरान की थी, जो कि इसके महत्त्व को रेखांकित करता है।

प्राथमिक शाला जनपद, बस्तर

प्राथमिक शाला कुरलूगुड़ा, बस्तर

प्राथमिक शाला फरसापारा, बस्तर